RNI:RJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2021

शिव आमंत्रण
आध्यात्म की नई उड़ान
सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

05
हम सबको मन, बुद्धि से शुभभावना का साथ देने वाला हाथ रखना है

07
भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल की साईकिल रैली में आए जवानों को...

वर्ष ▸ 08 | अंक ▸ 12 | हिन्दी (मासिक) | दिसंबर ▸ 2021 | पृष्ठ ▸ 16 | मूल्य ▸ ₹ 9.50

भोजन को परमात्मा की शक्ति से चार्ज करके और भोग लगाकर ग्रहण करने से बन जाता है प्रसाद

मन को सकारात्मक बनाने के लिए
सात्विक भोजन है संजीवनी

भोजन बनाते समय भजन सुनने और भोजनशाला में मधुर आध्यात्मिक संगीत चलने से उसके वाइब्रेशन भोजन को बनाते हैं शक्तिशाली और पवित्र

वैज्ञानिकों का दावा- ज्यादातर मानसिक और शारीरिक बीमारियों का कारण गलत मानसिक स्थिति में ग्रहण किया और बनाया गया भोजन

वैज्ञानिक शोधों में दावा- हमारे भोजन का तन और मन पर पड़ता है सीधा असर

किस मनोस्थिति में भोजन बनाया गया और किस मनोस्थिति में ग्रहण किया इसका भी मन और तन पर पड़ता है असर

■ **शिव आमंत्रण । आबू रोड।** कहा जाता है जैसा अन्न वैसा मन। यह केवल कहावत नहीं बल्कि सच है। पुरातन संस्कृति में भोजन और आहार-व्यवहार पर काफी ध्यान दिया जाता था। इससे उस दौर के लोग स्वस्थ, सुखी, संस्कारित और संयमित होते थे। उनमें एकता, सद्भावना, अपनापन, पारिवारिक सामंजस्य था। इस सबका मूल कारण था कि लोगों के खानपान में सात्विकता, शुद्धता और पवित्रता थी। इस बात को विज्ञान और वैज्ञानिकों ने भी स्वीकार कर लिया है कि सात्विक आहार वाले व्यक्ति ज्यादा सकारात्मक, ऊर्जावान, ज्ञानी, आध्यात्मिक, शक्तिशाली और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। यही नहीं उनका रोग प्रतिरोधक तंत्र भी काफी मजबूत होता है। वर्तमान जीवनशैली के भोजन, फास्टफूड और सात्विक भोजन के तुलनात्मक अध्ययन को लेकर शिव आमंत्रण की विशेष स्टोरी...

वेदों और उपनिषद में भी सात्विक भोजन का उल्लेख

छान्दोग्योपनिषद के 6.5.1 अध्याय में कहा गया है कि जो हम खाना खाते हैं उसका मन पर सीधा असर पड़ता है। इसलिए व्यक्ति के स्वभाव में यह दिखने लगता है। छान्दोग्योपनिषद में विस्तार पूर्वक कहा गया है कि-

अन्नमशितम त्रेधा विधीयते तस्य यः स्थविष्ठो, धातुस्तत्पुरीषं भवति यो मध्यमस्तन्मा संयोणिष्ठस्तन्मनः।

भावार्थ : खाया हुआ भाग तीन भागों में विभक्त हो जाता है, जो उसका अत्यन्त स्थूल भाग होता है वह मल, मध्य भाग रस और जो सूक्ष्म भाग होता है वह मन बन जाता है। आहार का उद्देश्य मन को स्वादेन्द्रिय को तृप्त करना ही नहीं है बल्कि उसका जीवन की गतिविधियों से गहरा सम्बन्ध है। जिस व्यक्ति का जैसा भोजन होगा, उसका आचरण भी तदनुकूल होगा। यह तो रहा स्थूल केवल अन्न की बात।

मन की अवस्था व भावना का भी गहरा प्रभाव

हम जब भोजन बनाते हैं और ग्रहण करते हैं तो उस समय भी कुछ नियमों का पालन करना चाहिए, ताकि भोजन संपूर्ण रीति तन और मन का पोषण कर सके। जैसी हमारी स्थिति होती है वैसी ही हमारी कृति बनती है। यदि कोई व्यक्ति क्रोध में भोजन बनाता है तो क्रोध में बनाया गया भोजन कभी स्वादिष्ट और सात्विक नहीं हो सकता है। क्योंकि क्रोधी व्यक्ति की भावना भी उसमें प्रवेश कर जाती है और खाने वाले पर उसका सूक्ष्म प्रभाव पड़ता है।

हमेशा अच्छी भावना के साथ बनाएं भोजन

हम जब भी भोजन बनाएं या उसे ग्रहण करें तो उस समय शुद्ध और सात्विक भावना होनी चाहिए। जिससे हमारे मन पर उसका सकारात्मक प्रभाव पड़े। क्योंकि जब हम किसी मंदिर या देवी देवताओं के लिए चढ़ावा चढ़ाने के लिए प्रसाद बनाते हैं तो उस समय साफ-सफाई और सात्विकता का बहुत ध्यान रखते हैं। इसलिए वह बनायी हुई सामग्री प्रसाद बन जाती है, जिसे लोग भाव और भावना से खाते हैं। मांस, मदिरा, मछली और अन्य मांसाहारी भोजन मनुष्य के लिए नहीं है। इससे मन में आसुरी विचारों का उदय होता है, इसलिए आज व्यक्ति तेजी से हिंसात्मक होता जा रहा है।

ध्यान के साथ बनाएं और खाएं भोजन

जब भी हम भोजन बनाएं और खाएं तो सबसे पहले परमात्मा को अर्पण करें। शुद्ध और सात्विक भोजन ही ग्रहण करें। आसुरी स्वभाव वाले व्यक्तियों के हाथों से बने हुए भोजन से परहेज करना चाहिए। इससे काफी हद तक मनुष्य की मनोदशा बदल जाएगी। व्यक्ति सकारात्मक हो जाएगा। इस तरह के परहेज से सामाजिक समस्याओं से काफी हद तक निजात मिल सकती है।

मोटा अनाज
36 रोगों का इलाज

जौ, ज्वार, बाजरा और रागी 70 फीसदी लोगों को कर सकता है कुपोषण मुक्त

जिन मोटे अनाजों को रसोई से बाहर कर दिया गया, आज वैज्ञानिक और डॉक्टर उन्हें ही पौष्टिक बताकर खाने की सलाह दे रहे हैं। कई रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि अगर देश में मोटा अनाज फिर से चलन में आ जाए तो 70 फीसदी लोग कुपोषण से मुक्त हो जाएंगे। इसके अलावा आमजन मोटापा, बदहजमी, डायबिटीज, एनीमिया, हार्ट, कोलेस्ट्रोल, जैसी 36 बीमारियों से मुक्त हो सकते हैं। पहले माताएं-शिशुओं को ज्वार और मक्का के आटे का घोल पिलाती थीं। मोटे अनाज आसानी से पचने वाले फाइबर और कॉम्पलेक्स कार्बोहाइडेट्स का अच्छा स्रोत हैं। लो सैच्यूरेटेड फैट के साथ लेने पर हृदय संबंधी बीमारियों को कम करता है। यह एलडीएल (लो डेसिंटी लिपोप्रोटीन) की क्लियरेंस बढ़ाता है। इसमें मौजूद फोलिक एसिड बढ़ती उम्र वाले बच्चों के लिए बेहद उपयोगी है। यह एंटीकैंसर भी होता है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, जिंक, मैग्नीज, लोहा, खनिज तत्व, कैलोरी, कैरोटीन, फोलिक एसिड, एमिनो एसिड, विटामिन-बी, ई और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं।

आध्यात्म में पवित्र भोजन जरूरी

"हमारे भोजन का मन से सीधा संबंध है। परमात्मा को भोग में हमेशा सात्विक भोजन, फल, मेवा का ही भोग लगाया जाता है। आध्यात्म में भोजन की पवित्रता पर विशेष जोर दिया गया है। क्योंकि बिना भोजन के नियंत्रण के हम आत्मा को दिव्य गुण और शक्तियों से भरपूर नहीं कर सकते हैं। आज यदि मानव ने अपने भोजन का सात्विक और पवित्र बना लिया तो इससे कई बीमारियों और परेशानियों से बचा जा सकता है"

- दादी रतनमोहिनी, मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज, माउंट आबू

ब्रह्माकुमारीज़ में भोजन की पवित्रता पर दिया जाता है विशेष ध्यान

सात्विक भोजन का मन पर सकारात्मक प्रभाव के चलते ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के सभी सेवाकेंद्रों पर भोजन की पवित्रता और शुद्धता का विशेष ध्यान दिया जाता है। यही कारण है कि राजयोगी, तपस्वी, ब्रह्माकुमार भाई-बहनें परमात्मा की याद में भोजन तैयार करते और ग्रहण करते हैं। प्याज और लहसुन तामसिक प्रवृत्ति के भोजन में आते हैं, इसलिए आध्यात्मिक पथ के राही के लिए इसे निषेध बताया गया है। क्योंकि इसके सेवन से इन्द्रियां चलायमान होती हैं और मन में चंचलता के साथ विकारों का जन्म होता है। यदि आप भी आध्यात्म के पथ पर चल रहे हैं और आत्मिक उन्नति के मार्ग पर प्रशस्त हैं तो आहार में फल-फूट, मेवा, सब्जियों के साथ शुद्ध व पवित्र भोजन ही ग्रहण करें। इससे तन और मन दोनों संतुलित और सदा स्वस्थ रहेंगे।

पिछले अंक से क्रमशः

समस्या समाधान

ब्र.कु. सूरज भाई
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक

हमारे संकल्पों में बहुत शक्ति होती है जो हमें एनर्जी प्रदान करती है। पॉजीटिव सोचें। जैसे मैं कोई भी कार्य कर सकता हूँ। मैं बहुत मेहनती हूँ। मुझे सफलता अवश्य मिलेगी।

■ शिव आमंत्रण

महसूसता की शक्ति महसूसता की शक्ति से जीवन में बदलाव संभव है...

सदा श्रेष्ठ स्वमान में रहेंगे तो अभ्यास से एक दिन निश्चित ही उसका स्वरूप बन जाएंगे

आबू रोड । कोरोना काल की एक सच्ची घटना गुजरात की है। एक साहूकार परिवार अहमदाबाद का जिसके पास दो करोड़ से ज्यादा की सम्पत्ति थी। परिवार के चार भाई चारो के झगड़े आपस में धन को लेकर चल रहे थे। एक बीके भाई अहमदाबाद में बड़े फैक्ट्री के मालिक हैं उनके ये चारों रिलेटिव थे। हमारी बीके गीता बहन जो क्लास कराती हैं उनका एक क्लास उन लोगों को भेज दी। दो को कोरोना हो गया था। सबने वो क्लास सुनीं। क्लास सुनकर उनको लगा कि अभी तो सिर्फ कोरोना हुआ है, अगर हम चारो ही मर गये तो क्या काम आयेगा? सब ने फैसला किया लड़ना नहीं है। चारो ने आराम से पच्चीस-पच्चीस करोड़ बांट लिए। महसूस हुआ क्योंकि कई धनवान भी मरे बस उनका फैक्ट्री रह गया था। तो महसूस हुआ कि यह धन उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना मूल्यवान हम चारों का प्यार और नाता। तो रियलाइजेशन से, महसूसता से विचारों में परिवर्तन हो गया। नहीं तो ये मकान मुझे मिले, ये जमीन मुझे मिले, तो इस घर में झगड़े ही झगड़े लगे पड़े हैं।

कमियों को खत्म करना है

हम सभी को अपने-अपने घरों में सुख, शान्ति, प्रेम, खुशी का माहौल बनाना है। माताएं ज्यादा जिम्मेवारी लें। कई माताएं सोचती हैं मैं तो अकेली ज्ञान में हूं और कोई घर में नहीं चलता। मैं इसका छोटा सा सुन्दर उत्तर दिया करता हूं कि मन्दिर में ईष्ट देवी कितनी होती हैं? अम्बाजी में कितनी अम्बाऐं हैं। एक हैं न। एक ही देवी काफी हैं बहुतों के काम बनाने के लिए। हम अगर महान बन जाएं तो परिवार में कोई न शराब पियेगा, न मांस-मछली खाएगा, न झगड़ा करेगा ये तीन आजकल की विशेष समस्याएं हैं। हमें अपनी कमियों को महसूसता की शक्ति से खत्म करना है। इसका आधार है श्रेष्ठ स्वमान में स्थित होना। स्वमान केवल रटना नहीं है उसका नशा चढ़ जाए कि मैं यह हूं। लोग शिकायत करते हैं कि हमारे ऑफिस का वातावरण ऐसा-ऐसा गंदा है। मैं कहता हूं कलयुग में स्वर्ग जैसा वातावरण थोड़ी न होगा। आज यह समझकर ऑफिस जाओ कि मैं हूं मास्टर क्रीयेटर हूं। वातावरण कैसा भी हो सबको बदलने वाले हम हैं तो शिकायत खत्म हो जायेगी और नये-नये अनुभव होंगें। समझ लो कि मैं इष्ट देवी हूं। जहां मैं जाउंगी रेत में भी हरियाली लाउंगी।

समय अनुसार हम अपने संकल्पों को बदलें

हमारे निगेटिव वायब्रेशन सेवा बढ़ने ही नहीं देते। हम अपने संकल्पों को बदलें। समय अनुसार जिस बदलाव की जरूरत है उसे बदलें। ज्यादा सोचने की आदत को बदलें। आज संसार के अनेक लोगों में डर बढ़ता ही जा रहा है। हमें अपने में बदलाव लाना है- अपने बोलने के तरीके में, किसी भी परिस्थिति में, किसी भी दुर्घटना में हम परेशान नहीं होगें। लोग कहते हैं ये ब्रह्माकुमारीयां कहती हैं कि विनाश हो जायेगा। यह सुनकर लोग दुःखी हो जाते हैं कि ये विनाश-विनाश ही करती हैं। कई लोग तो ऐसा भी कहते हैं कि ये पवित्र आत्माएं हैं भाई ये विनाश-विनाश कहती हैं तो जरूर हो जाएगा। इस तरह के संकल्प आगे और परिस्थितियों को नजदीक लायेगा। लेकिन दुनिया में लोगों को इस बात का आभास नहीं हो सकता कि कई जन्म के जो सबके विकर्म पाप हैं वो अब एक्टिव होते जाएंगे। उसके समाधान का कोई दवाई नहीं होगी। आप ये समझ लें कि दो-चार साल में हमारी मेडिकल साइंस फेल हो जाएंगी क्योंकि मानसिक रोग काफी होंगे। मन का इलाज उन डॉक्टरों के पास नहीं है।

धर्म-ग्रंथों से इसी जन्म में हमें कर्मों की गुह्य गति का ज्ञान प्राप्त होता है

कर्म के लिए संकल्प भी बीज है

स्व-प्रबंधन

बीके ऊषा
स्व-प्रबंधन विशेषज्ञ, माउंट आबू

■ शिव आमंत्रण

जितनी तीव्रता का संकल्प होगा, उसके हिसाब से ही कर्म भी जरूर मिलता है

आबू रोड । देश में वापस आकर सुरेश ने अपनी पत्नी के साथ रहकर एक बड़ा व्यापार शुरू कर दिया। थोड़े दिनों में उसके घर में एक बेटे का जन्म हुआ और उसके नामाकरण पर बड़ी धूमधाम से कार्यक्रम रखा गया जिसमें शहर के बड़े-बड़े लोगों को आमंत्रित किया गया। उसी समय एक बड़े महात्मा भी आये थे, उन्होंने बच्चे का भविष्य देखा तो आश्चर्यचकित रह गये। सुरेश ने पूछा कि क्या बात है तो वह महात्मा ने कहा कि आप इस बच्चे को गरीबी में पालना, कहने का भाव महात्माजी का यह था कि जो वह कहे तुरंत लाकर नहीं देना परन्तु कम से कम खर्च उस पर करना। सुरेश ने महात्माजी से कुछ नहीं कहा लेकिन उसने महात्माजी की बात नहीं मानी और जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता गया और मात-पिता का लाडला होने के कारण उसने जो भी चाहा उसके सामने हाज़िर हो जाता था। और वह बच्चा बड़ा हो गया और उसकी शादी तय की गयी। परन्तु शादी के एक दिन पहले ही उसकी अकस्मात मृत्यु हो गयी। उसी समय वह महात्माजी पुनः पधारे और उसने याद दिलाया कि उसने उसे कहा था कि बच्चे को गरीबों की तरह पालना क्योंकि उसने उस बच्चे का भविष्य देखा था कि वह उसका कोई हिसाब चुकाने आया है और हिसाब चुक्तू करते ही वह उनके घर से चला जायेगा। सुरेश ने मुनीम जी को बुलाया और उससे पूछा कि इस बच्चे के पीछे जो खर्च किया था उसका खर्च बताओ। मुनीम जी ने सारा हिसाब जोड़कर सुरेश को बताया तो वह हिसाब देखकर सुरेश को बहुत बड़ा धक्का लगा और उसने देखा कि उसने जितनी महेश की कमाई हड़प ली थी वह उतनी ही थी और वहीं उसको हार्टअटैक हुआ और वह मर गया। कर्म की गुह्य गति भी कैसी है। सुरश ने महेश को धक्का देकर मार डाला तो महेश ने भी दूसरे जन्म में उसको धक्का दिया जो उसकी मृत्यु का कारण बना। और जितना धन उसने उसका हड़प लिया था उतना ही महेश ने वापस ले लिया।''

तभी कहा जाता है कि कर्म किसी को छोड़ते नहीं हैं चाहे अच्छा करो तो भी यहां ही उसकी भोगना है चाहे बुरा करो उसकी सज़ा भी व्यक्ति को यहीं मिलती है, इस जन्म में नहीं तो दूसरे जन्म में।

कई बार मनुष्य के मन में यह सवाल ज़रूर आता कि क्या हर कर्म का फल अगले जन्म में ही मिल जाता है या दो तीन जन्म बाद भी मिलता है?

जिस तरह एक किसान अगर मिर्ची या टमाटर का बीज बोता है तो तीन मास में ही उसका फल मिलने लगता है लेकिन अनाज का बीज डालता है तो 6 मास में फल मिलता है। वैसे ही अगर वह कोई फल का पेड़ लगता है तो उसे दो तीन साल में फल प्राप्त होता है और अगर नारियल का बीज डालता है तो दस साल के बाद उसे फल प्राप्त होता है। जितनी छमता का बीज होता है उतने समय में फल की प्राप्ती होती है।

वैसे ही कर्म करने के लिए संकल्प भी एक बीज है और जितनी दृढ़ता वाला संकल्प किया होता है और जितनी तीव्रता से कर्म किया गया होता है तो उसका फल भी उतने समय में प्राप्त होता है। कोई कर्म का फल इसी जन्म में प्राप्त होता है और कोई कर्म का फल अगले जन्म में भी प्राप्त होता है और कोई कर्म का फल चार पांच जन्म बाद भी मिलता है और कोई कर्म का फल बीस-पच्चीस जन्म बाद भी मिलता है। तभी तो व्यक्ति जब दुःखी होता है तो यही कहता है पता नहीं कौन से जन्म कर्म का फल भोग रहा हूँ।

क्रमशः ...

क्रमशः **अंतर्मन** नुमाशाम, अमृतवेला मिस ना हो चाहे कितना भी बिजी हों

इन्हीं परिस्थितियों में हमें संपूर्ण बनना है

आध्यात्मिक उड़ान

डॉ. सचिन
मेडिटेशन एक्सपर्ट

■ शिव आमंत्रण

अपनी पवित्रता को नेचुरल बनाओ।

एक व्यक्ति जीवन से बहुत परेशान हो उठा। बहुत दुःखी, एक समस्या, दूसरी समस्या तीसरी समस्या, संसार, गृहस्थ, क्या करूं सोच रहा था। जहां देखो वहां कठिनाई, जहां देखो वहीं मुसीबतें। वो एक जैन गुरू के पास गया और आपबीती सुनाई। उस गुरू ने सारी बातें उसकी सुनी और उससे कहा एक गिलास पानी लेकर आओ और एक मुट्ठी नमक। वो लेकर आया और उससे कहा कि अब वो नमक उस पानी में डाल दो। उसने डाला और फिर गुरू ने कहा फिर इसे पी लो तो उसने पीना आरम्भ ही किया था कि थूंक दिया, नहीं पी पाया। बहुत नमकीन है। फिर गुरू ने कहा, फिर से एक मुट्ठी नमक लेकर चलो और मेरे साथ चलो और वह गुरू उसे अपने साथ ले गया। एक छोटी सी स्वच्छ झील में ले जाकर गुरू ने कहा कि इस नमक को झील में डाल दो। उसने डाला और फिर कहा इस पानी को पियो। पूछा कैसा है तो उसने कहा बहुत मीठा है। नमक तो गिलास में भी डाला था परन्तु वह कैसा था? नमकीन और उतना ही नमक अब झील में डाला तब वह नमकीन नहीं था क्यों? पानी ज्यादा था। गुरू ने कहा नमक तो नमक ही रहेगा तुम अपने आप को झील बना दो गिलास नहीं बनो। क्या नहीं बनो झील, अपने हृदय को झील बना दो। संसार वहीं रहेगा, वही कड़वाहट रहेगी, वैसे ही लोग रहेंगे, नमकीन। केवल नमकीन नहीं, कड़वे और कठोर भी। इस कलयुग में अपेक्षा नहीं की जा सकती कि यहां का मनुष्य सतयुग जैसा व्यवहार करे। अंधकार है, सोझरा नहीं है ता यह संसार ऐसा ही है। हम इस संसार का ऐसा कुछ नहीं कर सकते। अपना ही कर सकते हैं। अपने को क्या बना देना है-झील। झील भव। बड़ा कर देना है। सामने वाला व्यक्ति वैसा ही रहेगा। सामने की परिस्थिति भी वैसी ही रहेगी। वो स्थान वैसा ही रहेगा। वो वायुमण्डल वैसा ही रहेगा। अगर उससे लड़ने की कोशिश की तो संघर्ष होगा। परिणाम दुःख, उलझन, बेचैनी। दो अहंकार टकराएंगे और जहां दो अहंकार टकराते हैं, दो संस्कार टकराते हैं, दो व्यक्ति टकराते हैं, वहीं परिणाम। दो आवाजें टकरा रही हैं वहीं परिणाम दुःखी होगा। हां जहां दो मौन टकराते हैं वहां केवल मौन बसता है। एक मौन प्लस दूसरा मौन। एक आवाज प्लस दूसरा आवाज, दो आवाजें और वो भी करकस। इसलिए इस संसार को समझना है। ये कैसे चल रहा है। इसी संसार में, इन्हीं प्रतिकूल परिस्थितियों में, इन्हीं बेचैनियों में हमें सम्पूर्ण बनना है। अनुकूल परिस्थितियों में सम्पूर्ण नहीं बना जाता, किसमें सम्पूर्ण नहीं बना जाता? प्रतिकूल परिस्थितियों, समस्याओं में कठिनाईयों में, दुःखों में, सब तरफ से जहां विरोध है। पद परिस्थितियों में स्वयं को मजबूत बनाना। अन्दर से स्वयं को स्थिर रखना। जो व्यक्ति स्वयं को अन्दर से स्वयं को वज्र समान स्थिर है, ऊपर से जो कुछ भी हो रहा है पर अन्दर निश्तरंग झील है, प्रशांत महासागर है। ऐसा स्वयं को अन्दर से बनाना है मजबूत और इस ब्राह्मण जीवन मे चलते-चलते हरएक के हृदय में एक कमजोरी रह जाती है और वो कमजोरी है सेंसिटिव नेचर। सेंसिटिव नेचर समझ में आता है माताओं को? क्या कहते बाबा उसको, बाबा के शब्दों में क्या नाम है उनका? (किसी ने कुछ कहा) नहीं कुछ और है। हाथ लगाओ मुरझा जाए उसको क्या कहते हैं बाबा? टच मी नॉट देवी। कौन है यहां टच मी नॉट देवी जिनको हाथ लगाओ मुरझा गये। कुछ बोल क्या दिया तीन दिन तक नाराज, खाना बंद। हम इधर से आए मुह उधर। बात-बात में नाराज, बात-बात में दुःखी, बात-बात में उदास, मुरझाना, रूसना और रूठना।

शख्सियत

परमात्म शक्ति को साथ रख 1650 किलोमीटर की दूरी साइकिल से 13 दिन में तय कर मुजफ्फरपुर बिहार से माउंट आबू राजस्थान पहुंचे

दिग्विजय शाही

मुजफ्फरपुर, बिहार

■ शिव आमंत्रण

व्यक्ति जब दृढ़ता की शक्ति से कोई भी मंजिल तक पहुंचने का लक्ष्य बना लेता है तो वह माउंट एवरेस्ट जैसी विशालकाय चोटी तक एक निश्चित समय में पहुंचकर दिखा ही देता है। परन्तु यदि दृढ़ता के साथ परमात्म शक्ति ईश्वरीय प्रेम साथ में हो तो असम्भव भी सम्भव हो जाता है। ऐसे ही एक साहसी व्यक्तित्व मुजफ्फरपुर बिहार के 52 वर्षीय दिग्विजय शाही हैं जो कि मुजफ्फरपुर से माउंट आबू राजस्थान 1600 किलोमीटर की दूरी मात्र 13 दिनों में एक पुरानी साइकिल से तय कर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के हेडक्वाटर पहुंचे। पहुंचने का मकसद बस एक ही था परमात्मा से मिलन। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय पहुंचकर उन्होंने शिव आमंत्रण से खास बातचीत कर अपना अनोखा अनुभव बताया-

ऐसा लग रहा था शिवबाबा मुझे मधुबन बुला रहे हैं जाना ही पड़ेगा

दिग्विजय शाही मुजफ्फरपुर बिहार के रहने वाले एक किसान हैं। पिछले चालीस साल से परमात्मा शिव बाबा से मिलने के लिए गहन भक्ति करते रहे हैं। पढ़ें उन्हीं के शब्दों में..... एक दिन मुझे पता चला कि जिस शिव बाबा को लोग पूजा करते हैं उसी शिव बाबा को ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान भी मानती है। क्यों नहीं जाकर वहां समझा जाए कि वहां क्या मान्यता है? हमारे घर से तीन किलोमीटर दूरी पर ही ब्रह्माकुमारीज़ का तुर्की सेवाकेंद्र है। वहां पहुंचकर वहां की संचालिका बीके पुष्पा बहन से मिला। उन्होंने मुझे परमात्मा के बारे में विस्तार से बताया। जब वो बता रही थी तभी मैं ध्यान में चला गया। मैंने देखा कि शिव बाबा ऊपर से नीचे आए और मुझे बोले आओ मेरे बच्चे मेरे गोद में आओ। फिर जब मैं ध्यान से नीचे आया तो मैंने ठान लिया कि अब मुझे परमात्मा के बताये मार्ग पर ही चलना है। इसके बाद मैं प्रतिदिन ब्रह्माकुमारीज संस्थान में आने लगा और रोज मुरली महावाक्य सुनने लगा। इसके बाद जब मुझे मधुबन के बारे में पता चला तो प्रतिदिन बाबा से कहने लगा कि बाबा मुझे मधुबन बुलाओ। इसके बारे में दीदी से बोला तो उन्होंने कहा कि जब मैं मधुबन चलूंगी तो ले चलूंगी। उन्होंने सफेद कपड़े भी सिलवा कर दिए। उन्होंने कहा कि अभी भट्ठी का टाइम है अभी भाई लोग नहीं जाएंगे, आप आगे जनवरी में चलना। लेकिन तत्काल उनके मना करने के बावजूद भी मैं उनसे बोला कि शिवबाबा मुझे मधुबन बुला रहे हैं जाना ही पड़ेगा।

भल लोग मेरे साथ कैसा भी व्यवहार क्यों न करें। अपनी मन की स्थिति अचल अडोल बनाये रखता हूं।

हर वक्त परमात्मा की उपस्थिति का एहसास होता है

मैं जोन इंचार्ज बीके रानी दीदी से मुलाक़ात किया उनसे राखी बंधवाया और मैंने बोला दीदी हम बाबा के पास मधुबन जाएंगे उन्होंने कहा कि हां आप जाओगे। परमात्मा की कृपा से मेरा तीन कट्ठा ज़मीन ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र खोलने के लिए सफल हो पाया जो कि मेरे लौकिक घर के पास में ही है। मैंने सब शिवबाबा पर सौंप दिया कि कैसे इस जमीन पर सेवाकेंद्र खुलेगा, कैसे सुंदर मकान बनेगा? मैंने संकल्प कर शिव बाबा से कहा कि बाबा मधुबन जैसा ही इसे छोटा मधुबन बनाना। बाबा ने मुझे प्रेरणा दी और कहा कि ठीक है सब हो जाएगा। मुझे हर वक्त परमात्मा दिखायी देता है और उसका पूरा साथ मिलता है। मैं कहीं भी जाता हूं मुझे कोई तकलीफ नहीं होती है। भल लोग मेरे साथ कैसा भी व्यवहार क्यों न करें। अपनी मन की स्थिति अचल अडोल बनाये रखता हूं। जिससे परेशान होने का कोई सवाल ही नहीं पैदा होता है।

बाबा मेरे अंदर एक गजब सी शक्ति भर देता था

एक दिन मैं बड़ी दीदी से इजाजत लेकर मुजफ्फरपुर से माउंट आबू करीब 1600 किलोमीटर साइकिल से आने का संकल्प किया। उसके बाद मैंने यात्रा आरंभ कर शिव बाबा को संकल्प से भृकुटी सिंहासन पर बिठाकर ब्रह्मा बाबा को साइकिल का हैंडल पकड़ाया और निकल पड़ा। मैं यही सोचकर साइकिल चला रहा था कि ये साइकिल नहीं पुष्पक विमान हो गया है प्रभू अब ले चलो मधुबन। बाबा बिल्कुल वैसा ही किए। रास्ते में जब कहीं पर चढ़ाई आती थी तो वहां पर परमात्मा गजब की शक्ति भर देता था। कई जगह पहाड़ आये पर बाबा साइकिल तब लगता था कि मेरी साइकिल का पैडल खुद परमात्मा मार रहा है। यह मेरे जीवन का बहुत ही अद्भुत अनुभव था। मैं ऊपर देखते हुए शिवबाबा से शक्ति लेता चला आ रहा था और नीचे सकाश रूप में भी सबको देता आ रहा था। पहाड़ी जब पार किए तो उससे पहले गुफा थी उस गुफा के पास कई लोग मेरा फ़ोटो क्लिक कर रहे थे और गुफा से पार करते भी हम एक ही हाथ से साइकिल चलाते पार कर गये।

ईश्वरीय मर्यादाओं से ही मिलती है परमात्मा की मदद

ईश्वरीय नियमों के अनुसार मैंने ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र से ईश्वरीय आदेश पत्र ना लेने की भूल की। जिसके कारण मुझे ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रो पर ठहरने की इजाजत नहीं मिलती थी। एक दो सेवाकेंद्र पर जाने के बाद जब ठहरने को नहीं मिला तब मैं रास्ते में मंदिर, स्कूल जैसे स्थानों पर थोड़ा आराम करने का फैसला किया। भूख लगने पर फल खरीद कर खा लेता था। लेकिन मुझे बाबा पर पूरा विश्वास था कि भल सेंटर का गेट बंद हो गया मेरे लिए, लेकिन मेरे बाबा के दिल का गेट हमेशा खुला है। सेवाकेंद्र के भाई-बहनों के इस व्यवहार से मैं थोड़ा भी निगेटिव सोच नहीं लाया। मैंने हमेंशा सकारात्मक तरीके से यही सोचा कि उन लोगों ने मेरे साथ ठीक ही किया जो मुझे ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर ठहरने नहीं दिया। मेरे पास तो कोई लेटर सबूत है नहीं फिर हमें ये लोग क्यों ठहरने दें? हमारे तरह तो कोई भी गलत आदमी भी वेश बदल कर आश्रम पर ठहरने का बहाना कर सकता है। जैसे रावण ने वेश बदलकर साधु के रूप में ही तो सीताजी का अपहरण किया था। सीताजी मर्यादा की लकीर से बाहर आयी तभी तो उन्हें बुरे दिन देखने पड़े इसलिए ये लोग सीताजी की तरह ईश्वरीय नियमों को नहीं तोड़ा जिसके कारण मैं अति प्रसन्न हूं।

शान्तिवन आकर मुझे यही लगा कि यही मेरा असली घर है

साइकिल चलाते आगे बढ़ते गए तब एक हनुमान जी का मंदिर था वहां मैंने दो सेब का भोग लगाकर बांटकर खाया। वहां का जो पुजारी था वो कहने लगा अरे यह तो बाबा है बाबा। इस तरह थोड़ा-थोड़ा आराम करते हुए 13 दिनों की यात्रा कर 9:30 रात में मैं शांतिवन आबूरोड पहुंचा। उसी टाइम से आराम करने के बजाय मैं सेवा में लग गया। शान्तिवन आकर के मुझे यही लगा कि यही मेरा असली घर है। यहां मुझे बहुत अच्छा फ़ील होता है, मैं बहुत खुश हूं। दुनिया में सब बोलते कि स्वर्ग ऊपर है लेकिन यहां देखकर मुझे लगा स्वर्ग ऊपर नहीं यही है। एक बहन जिन्होंने मुझे अपने सेवाकेंद्र पर ठहरने नहीं दिया उन्हें जब पता चला कि मैं शांतिवन पहुंच गया हूं तब वे मुझसे मिलकर बहुत आश्चर्यचकित हुई और उन्होंने मेरे लिए शांतिवन में रहकर सेवा करने के लिए 6 महीने का आदेश रूपी पत्र लिखकर दी। उन्होंने कहा कि आप 6 महीने बाद भी जितना दिन रहना चाहें उतना दिन रह सकते हो यहां। मैं फिलहाल इस हेडक्वार्टर के ब्रेड विभाग में अपनी सेवाएं दे रहा हूं। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। बाबा जब तक मेरे से होने वाली सेवाएं लेते रहेंगे मैं देता रहूंगा।

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से बीके आशा सम्मानित

पुरस्कार स्वीकारते हुए बीके आशा।

■ शिव आमंत्रण ▮ गुरूग्राम। ओम शांति रिट्रीट सेण्टर की डायरेक्टर बीके आशा को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा लॉकडाउन में कोरोना महामारी के चलते मानवता के लिए लोक कल्याण में अपना अमूल्य योगदान देने के कार्य के लिए सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट से नवाजा गया। इस अवसर पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन के राष्ट्रीय सचिव बीके डॉ. दीपक हरके और संस्था के ओम शांति मीडिया के मुख्य संपादक बीके गंगाधर, चाइना में ब्रह्माकुमारीज की निदेशिका बीके सपना भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कोरोना महामारी में सुविधाओं के अभाव के कारण किसी की जान न जाये इसके लिए 50 बेड वाले सभी सुविधाओं से सुसज्जित है ओम शांति रिट्रीट सेण्टर।

फर्स्ट समर मिस्टर राजस्थान में बीके सागर को मिला द्वितीय स्थान

भाई-बहनों की उपस्थिति में मैडल एवं शील्ड स्वीकारते हुए बीके सागर।

■ शिव आमंत्रण ▮ आबूरोड ▮ राजस्थान के अजमेर में राजस्थान स्टेट बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन द्वारा राजीव गांधी ऑडिटोरियम, बोर्ड ऑफ एजुकेशन में बॉडी बिल्डिंग मेन फिजिक चैंपियनशिप एवं फर्स्ट समर मिस्टर राजस्थान का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मुख्यालय माउंट आबू से बीके सागर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। यह गर्व की बात है की इस किताब को उन्होंने मेडिटेशन एवं शाकाहारी भोजन से हासिल किया है। बीके सागर को उनकी अचीवमेंट के लिए शुभकामनाएं देने हेतु संस्था के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय एवं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके गीता द्वारा कई बीके सदस्यों की उपस्थिति में मैडल एवं शील्ड देकर उनका स्वागत सत्कार किया गया।

ग्लोबल राइजिंग स्टार अवार्ड से बीके संगीता का सम्मान

अवार्ड स्वीकारते हुए बीके संगीता।

■ शिव आमंत्रण ▮ पटना/बिहार ▮ पटना चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री हॉल में आयोजित इंद्रप्रस्थ एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि कला एवं संस्कृति मंत्री आलोक रंजन झा द्वारा ग्लोबल राइजिंग स्टार अवार्ड से स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके संगीता को नवाजा गया। यह अवार्ड उन्हें जनहित में किये गए अमूल्य योगदान एवं आध्यात्मिक प्रचार प्रसार के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग शामिल हुए एवं सभी ने ब्रह्माकुमारीज द्वारा की जा रही सेवाओं को सराहा और बीके बहनों का सम्मान किया।

प्रेरणापुंज

दादी गुलजार (हृदयमोहिनी)
पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

हिम्मत का पहला कदम तो हमें ही बढ़ाना होगा

■ शिव आमंत्रण

आबू रोड । वास्तव में जितना बड़ा पोजीशन उतनी बड़ी बातें आयेंगी। लेकिन बड़ा होने के कारण उनमें शक्ति भी भरी होती है तो आपको दिखाई नहीं देगा कि इनके आगे भी कुछ आता है। आप समझेंगे कि यह तो बड़े आराम से मजे में हैं। देखो हमारी बड़ी दादी है। कितनी जिम्मेवारियां हैं। हम तो बाबा को यही कहते कि बाबा हमारी दादी को आप अंत तक जरूर रखना क्योंकि बड़ी दादी जैसी हिम्मत और कोई में तो दिखाई नहीं देती है। बाकी बाबा हिम्मत दे देवे वह बात दूसरी है। लेकिन बिना अपनी हिम्मत के बाबा की मदद नहीं मिलती है। बाबा ने यह कंडीशन पक्का रखा है क्योंकि अगर बाबा किसको मदद करे तो बाबा को कहेंगे पास खातिरी करने वाला। तो बाबा पास खातिरी थोड़े ही करेगा। इसलिए बाबा कहते हिम्मत का कदम एक आपका फिर मैं हजार कदम, सौ कदम कितनी भी मदद करने के लिए तैयार हूं। जो करेगा वह पाएगा। वह बहुत अच्छी मदद करता है लेकिन पहले हिम्मत का एक संकल्प रूपी कदम हमारा हो। बाबा प्यार का सागर भी है लेकिन स्ट्रिक भी बहुत है, कायदा भी पूरा रखता है। यह भी कर्मो की गति है। एक कदम का कर्म हम करें फिर बाबा मदद करेगा। बाकी सिर्फ बाबा ही करे, यह नहीं होता है। यहां ब्राह्मण परिवार में ऐसे नहीं चलता। हर एक में कोई विशेषता होगी तो कमियां भी होंगी क्योंकि अभी एक सीट भी फाइनल रिजर्व नहीं है। नम्बर पहला, दूसरा, मम्मा बाबा की तो फिक्स है। तीसरे नम्बर से सब खाली हैं। अभी रेस चल रही है। सीटी बजेगी तो सभी को सीट मिलेगी। अभी सीटी नहीं बजी है। अभी तो सब दौड़ रहे है यानि पुरूषार्थ कर रहे हैं। सभी को चान्स है, मार्जिन है रेस करो। लास्ट सो फास्ट का एक्जैम्पुल भी जरूर होना है। बाबा तो विदेशों को भी कहता है कि लास्ट सो फास्ट में भी अपना नम्बर भी हो सकता है। पता थोड़ ही पड़ता है, माया के तूफान अच्छे-अच्छे को भी पीछे ले जाती हैं। यह भी समाचार बहुत सुनते हैं। इतना अच्छा जिसमें शक भी नहीं होगा, वह शादी करके पूंछ लटाकाके आ रहा है। यह भी होता है माया है न। माया पता नहीं क्या-क्या करा लेती है तो किसी की भी नहीं सीट मुकरर नहीं है। आप सभी को चाँस है,कोई भी नम्बर ले सकता है। जब तक टू-लेट का बोर्ड नहीं लगा है, इसलिए मार्जिन है,टू-लेट का बोर्ड लग जाएगा फिर नहीं होगा। कोई भी महारथी बन सकता है। महारथी माना जो परिस्थितियों का सामना करने में महान आत्मा हो। जो समस्याओं में विजयी बन जाये। महान हो। अच्छा।

तीव्र पुरूषार्थ के लिए व्यर्थ को समाप्त कर मनोबल को बढ़ाओ

गीत में गाते हैं कि बाबा आप साथ-साथ हो,जब बाबा साथ-साथ है तो जहां बाप है वहां माया आ सकती है क्या? अगर माया आती है तो जरूर उस समय बाबा गायब हैं। सदा बाबा साथ है तो छोटी-मोटी बातें अगर हो भी जाती हैं तो भी मनकी स्थिति न्यारी रहती है। देखते, सुनते अपने मन में हलचल न हो। हम परिवार से अलग भी नहीं रह सकते क्योंकि सारे कल्प में हमारे साथ ब्राह्मण आत्माएं ही रहती हैं। सतयुग में भी तो हम लोग ही होंगे, सिर्फ रूप अलग होगा तो सम्बंध-सम्पर्क में तो आना ही है।

क्रमशः....

परमात्मा आएं हैं दैवी घराने की स्थापना करने

बाबा को प्रत्यक्ष करना बड़ा सहज है, जितनी हमारे अंदर बाहर सफाई-सच्चाई है, उतना ही बाबा की प्रत्यक्षता

■ शिव आमंत्रण

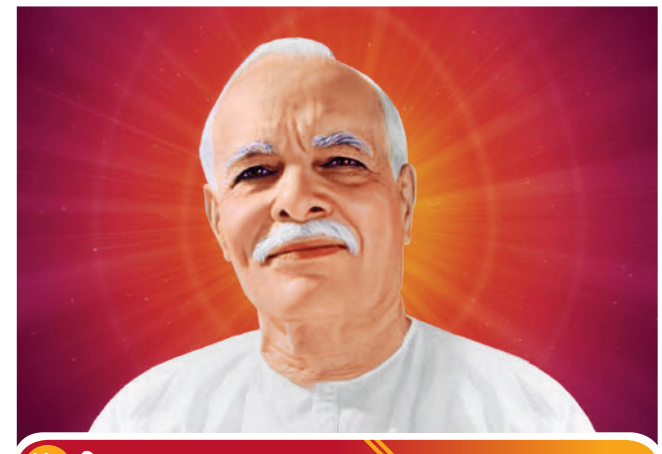

रियल लाइफ

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा
संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

आबू रोड । गोपियो, माना कि तुमने प्रभु को पहचाना है परन्तु क्या दूसरों को उस प्रियतम की पहचान नहीं दोगी? क्या आप उस प्रभु-प्रेम में ऐसी खोयी रहोगी कि भारत के दुःखी नर-नारियों पर दया नहीं करोगी? .....''

इस प्रकार गोप-गोपियों अथवा यज्ञ-वत्सों के मन रूपी मैदान मे प्रेम और ज्ञान के बीच संग्राम चलता था।

इधर बाबा की मुरली में प्रतिदिन यही शिक्षा स्पष्ट रूप से मिलने लगी कि ''बच्ची, अपने ज्ञान तो पाया ही है, चौदह वर्ष तक आपको योग-तपस्या भी कराई है, अब आप ज्ञान-गंगाएं बनो और अपनी योग- शक्ति का जलवा दिखाओ। जो सीखा है उसका सबूत दो। जिसने इस ज्ञान को स्पष्ट रूप से सीखा होगा वह दूसरों को भी इसे स्पष्ट रूप से समझा सकेगा। अतः अज्ञातवास अथवा वनवास का समय पूरा हुआ, हॉस्टल में रहने का समय भी समाप्त हुआ। संसार में कोई भी पार्ट सदा एक-जैसी नहीं चलता। अब आप सोये हुओं को जगाओ।''

बाबा कहते- ''बच्ची, यह अश्वमेध अविनाशी ज्ञान-यज्ञ है। इस अश्वमेध यज्ञ से घोड़े निकलेंगे और विश्व की

गोप-गोपियों अथवा यज्ञ-वत्सों के मन रूपी मैदान में प्रेम और ज्ञान के बीच संग्राम चलता था...

परिक्रमा करेंगे। शास्त्रों में इस बात धुँधला-सा उल्लेख है कि अश्वमेध यज्ञ से घोड़े निकले थे और उन्होंने राजा विराट को जीता था। वह आपके कर्त्तव्य का ही तो गायन हैं। आप ही तो इस अश्वमेध यज्ञ से निकले हैं। अब आप जाकर ज्ञान की शंख-ध्वनि करो और दिग्विजय करो। आपको यह तो ईश्वरीय वरदान मिला ही हुआ है कि अन्ते विजय आपकी होगी। आपकी ज्ञान-गजगोर से भारत की जनता जागेगी और एक दिन आयेगा जब आपकी उच्च धारणा का जय गान गायेगी।''

कभी बाबा कहते-''बच्ची, बाबा आये हैं दैवी घराने की पुनः स्थापना करने के लिए। अन्य जो धर्म-स्थापक अपना-अपना धर्म-वंश स्थापित करते है, उनके घराने की आत्मायें तो परमधाम से आकर साकार होती है और इस प्रकार उनके वंश की वृद्धि होती है परन्तु दैवी धर्म की पुनःस्थापना का कार्य उनके कार्य से न्यारा है। आपको दैवी धर्म की तो सभी आत्मायें इस पृथ्वी पर हैं परन्तु स्वयं को भूलकर विकारी एवं पतित बन चुकी हैं। अतः आपने तो इन्हें अपने धर्म और कुल की स्मृति दिलाने का कार्य करना है और उन्हें पावन बनाकर फिर से देवी- देवता बनने को लक्ष्य देना है। बच्ची, यह तो सतयुगी दैवी स्वराज्य स्थापित हो रहा है, उसके लिए राजा-प्रजा सभी देवी-देवता ही चाहिए। उस आने वाले स्वराज्य में राजा-महाराजा वे बनेंगे जो अपनी प्रजा बनायेंगे अर्थात् दूसरी आत्माओं को भी ईश्वरीय ज्ञान द्वारा पतित से पावन अथवा मनुष्य से देवता बनाने की अलौकिक सेवा करेंगे। ऐसे सर्विसएबल बच्चे ही मुझे अति प्रिय है। यूँ तो आप सभी मुझे प्रिय हैं परन्तु आप में से ज्ञानी आत्मा तो मुझे अति प्रिय है। क्योंकि ज्ञानी दूसरों को भी अपने समान बनाने की उच्च सेवा करता है। अतः बच्ची, आपने जो पढ़ा है, अब वह दूसरों को पढ़ाओ...।'' इन युक्ति पूर्ण मधुर मुरलियों से बाबा सभी वत्सों को अब ईश्वरीय सेवार्थ जाने के लिये प्रेरित करते। इन महावाक्यों को सुनकर तथा समय और परिस्थिति देखकर यज्ञ-वत्स समझते थे कि अब ईश्वरीय प्रेम के मीठे बन्धन को न चाहते हुए भी ढीला छोड़ना ही पड़ेगा और अब कर्त्तव्य क्षेत्र पर उतरना ही होगा। जिन्हें एक घड़ी का बिछुड़ना भी पहले असह्य था, अब उनके मन में आवाज अठी कि.....

क्रमशः..

जीवन में इतनी पवित्रता- स्वच्छता हो कि कोई कामना ही न बचे

प्रेरणापुंज

दादी जानकी
पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

■ शिव आमंत्रण

बाबा जिसको भी खींचता है, उसको और कोई चीज नहीं खींचता। उसको सिर्फ बाबा ही दिखता है।

आबू रोड । आज कल योग की बड़ी गहराई है मैं आत्मा हूं, परमात्मा की संतान हूं, सिर्फ यह समझने से योगी नहीं बन जाते। अन्दर की इच्छायें ममतायें खत्म करने से योगी बनते हैं। योग से यह खत्म हो जाती है। इच्छाओं को त्याग भगवान के बन गये हैं, तो जितनी चाहे उतनी ऊँची तकदीर की लकीर खींचो, वह तुम्हारे हाथ में है। बाबा ने किचड़ से निकाला, अपना बनाया फिर भी कीचड़ से कोई प्रीत रखे, कोई व्यक्ति या चीजें खीचें तो एक म्यान में दो तलवारे नहीं ठहर सकती। बाबा एक है लेकिन रस सब देता है। वह सब अनेक हैं, परन्तु एकरस रहने नहीं देंगे। स्थिति एकरस रहे, एक का रस लेते रहे यह भाग्य है। योग माना जो मुझ आत्मा को चाहिए, सुख-शांति-प्रेम-आनंद एक से लेती रहूं, एक से मिल रहा है। बाबा को साकार में भी अव्यक्त देखा है, उसको देखते, उसको देखते, हम भी अव्यक्त अशरीरी हो जायेंगे। ऐसा हमारा ध्यान हो। जिसकी अच्छी तरह से अपने ऊपर ध्यान है, तो कुदरती टीचर का वह प्यारा बन जाता है। पढ़ाई पर जिसका ध्यान अच्छा होता है उसको दूसरी कोई बातें खीचेंगी नहीं। पढ़ाई में मस्त होगा। उसको कहो सिनेमा में जाओ, नहीं जायेगा। शादी पर नहीं जायेगा। कहेगा नहीं पढ़ाई हमारी खराब हो जायेगी। इच्छा ही नहीं पैदा होगी। पढ़ाई में हमारी कमाई है। ज्ञान लिया ही है समझदार-बाबा का बच्चा बनने के लिए उसमें कमाई महसूस होती है। जितनी पढ़ाई में ध्यान दो तो लगता है मेरी कमाई हुई। वह पढ़कर पीछे कमाते, हमारी कमाई साथ-साथ है। परन्तु कोई पढ़ाई पढ़ते कमाई करते, कोई लड़ाई शुरू कर देते। पढ़ाई माना ही - तू मन को शान्त कर, बुद्धि को परमात्मा में एकाग्र कर, इच्छाओं ममताओं से फ्री कर। तो खुशी है। अन्दर सुख-शांति का संसार, कोई चिंता फिकर नहीं, उपाधि नहीं अचलघर बन गये। इस शरीर में आत्मा जैसे अचल घर में बैठी है। अचल माना जो कभी चलायमान न हो। अडोल उसको कहा जाता जो कभी डोलायमान न हो, घबराये नहीं। क्या होगा कैसे होगा? नहीं। अन्दर की अपनी शक्ति नहीं है तो कोई भी बात में चलायमान हो जायेगा। जो सच्चा होगा। उसे कोई भी मोहिनी रूप दिखावे, वह चलायमान नहीं होता, जान जाता है-यह सब झूठ है। इसलिए कहा जाता है-पाण्डवों की प्रीत बुद्धि विजयन्ति। प्रीत और जगह चली गई तो पद भी गया। विनश्यन्ति। वह सूर्यवंशी से सीधा चन्द्रवंशी में चला गया। स्वधर्म में टिकना, अपने निज स्वरूप में रहना, बाबा के साथ सच्चा संबंध रखकर श्रीमत पर चलना माना सहजयोगी बनना। बाबा भी खींचता है, जिसको और कोई चीज नहीं खींचता उसको बाबा खींचता है। बाबा के सिवाए और कोई उसका नहीं। अन्दर से पक्का है मैं बाबा का हूं, बाबा आपेही खिलायेगा। पवित्रता और स्वच्छता इतनी जो कोई कामना, ममता नहीं। जहां भी है हम सफाई करना जानते हैं। हाथों में सफाई करने की आदत है। खाना खाओ बड़ी स्वच्छता सफाई से खाओ। हेल्थ के लिए भी अच्छा है। पानी साफ हो गिलास अच्छा हो, स्वच्छता में मेहनत है लेकिन हेल्दी माइंड हेल्दी बाडी है। इच्छायें रखने वाला कभी स्वच्छता नहीं रख सकता। दो तीन ड्रेस से भी चल सकते है। स्वच्छ रहकर, सफाई से रहकर बादशाह होकर रह सकते हैं। कभी कपड़ो से बास नहीं आयेगी। लोग बाहर से अच्छे अच्छे कपड़े पहनेंगे, अन्दर स्नान भी नहीं किया होगा। कईयों को रोज स्नान करना भी सिखाना पड़ता है। ठण्डी हो, चाहे कुछ भी हो नहाने के बिगर कुछ कर नहीं सकते। बाबा ने कितनी स्वच्छता सिखाई है।

क्रमशः...

हम सबको मन-बुद्धि से शुभभावना का साथ देने वाला हाथ रखना है

जीवन प्रबंधन

बी.के. शिवानी
जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज़ की टीवी ऑइकॉन गुरुग्राम, हरियाणा

हमारे संस्कार बदल जाएंगे, मांगने के संस्कार खत्म होंगे, नाराज, दुःखी होने के संस्कार खत्म होंगे...

■ शिव आमंत्रण

आबू रोड। फिर वही समय फिर आ गया है। जहां सिर्फ घर-घर नहीं, बल्कि पूरी सृष्टि में दिवाली होती है। दिवाली नवीनता का समय है और नए युग की शुरुआत का समय भी है। दिवाली पर हमें घर के साथ मन की सफाई पर भी ध्यान देना चाहिए। जब तक मन की सफाई नहीं होगी, हम श्रीलक्ष्मी का आह्वान नहीं कर पाएंगे। श्रीलक्ष्मी का आह्वान यानी अपने अंदर की पवित्रता, दिव्यता का आह्वान करना। जहां मन में अपवित्रता होगी वहां दिव्यता कैसे आएगी। जहां पुरानी बातें जमी होंगी, वहां पवित्रता कैसे आएगी। जहां किसी के बारे में कुछ बैर होगा वहां सफाई कैसे होगी! इसलिए मन के कोने-कोने की जांच कर सफाई करें। जैसे-जैसे हम सफाई करेंगे, आत्मा के पुराने संस्कार खत्म होते जाएंगे और नए संस्कार उभरेंगे। सोचने का पुराना तरीका छोड़ते जाएंगे, नया तरीका आता जाएगा। इसलिए दीवाली में सफाई के साथ नवीनता का महत्व है। हर नई चीज हम दिवाली के समय खरीदते हैं। दिवाली में ऐसा क्या है? क्योंकि जब सफाई होगी तो नवीनता आनी ही आनी है। हम घर की पेंटिंग भी दिवाली पर ही करते हैं। पुराना रंग मिट गया, आत्मा के ऊपर नया रंग आ गया। हर एक को समझना, उसके संस्कार समझना और समझकर उनके प्रति सहानुभूति रखना, ये हमारा नया जीवन जीने का तरीका बन जाता है, यानी हमारे जीवन में नवीनता आ गई। हर चीज नई है, हर सोच नई है, हर भावना नई है। बोलने का तरीका, व्यवहार, खाने-पीने का तरीका, काम करने का तरीका, सब नया है, जीवन जीने का तरीका नया है। जब इतनी नवीनता आ जाएगी तब सही मायने में आत्मा का दीप जल गया। जब हम ये सबकुछ करते हैं तो हम जीवन में श्रीलक्ष्मी का आह्वान करते हैं।

> हमारे संस्कार बदल जाएंगे, मांगने के संस्कार खत्म होंगे, नाराज, दुःखी होने के संस्कार खत्म होंगे। जब देने वाला हाथ बन जाता है तब श्रीलक्ष्मी का आदान होता है।

> लक्ष्मी मतलब मन का लक्ष्य, हमारे जीवन का उद्देश्य। जो भी हम कर्म करें, उसमें जीवन का उद्देश्य होना चाहिए।

दिवाली के दिन हम सभी स्वास्तिका बनाते हैं। यानी स्वास्तिका शब्द देखें तो इसका अर्थ स्व का अस्तित्व भी है। मुझ आत्मा का अस्तित्व, परिचय क्या है? स्वास्तिका को मन में बनाए और देखिए कि वो कैसा होता है। उसके चार भाग बनते हैं, ये जो चार भाग हैं ये मुझ आत्मा की यात्रा समझाते हैं कि मैं आत्मा क्या थी, फिर क्या बनी, फिर कहां गई, आज कहा हूँ और मुझे फिर कहाँ जाना है। पहले भाग में हम देखते हैं कि हाथ सीधा है। दूसरे भाग में नीचे की तरफ चला जाता है। तीसरे भाग में हाथ लेने की मुद्रा में आ जाता है और चौथे भाग में हाथ ऊपर हो जाता है। ये सृष्टि का चक्र है। मैं आत्मा जब इस सृष्टि पर आती हूं तो में सतयुगी आत्मा हूँ। सृष्टि के उस समय को स्वर्ग, सतयुग कहते हैं। सतयुग में हर आत्मा भरपूर थी, सबको दुआएं देने वाली थी। दूसरा भाग यानी त्रेतायुग में मेरे देने की शक्ति घटनी शुरू हो गई तो हाथ नीचे की तरफ चला गया। आत्मा की शक्ति जैसे-जैसे कम होने लगती है तो उसकी देने की शक्ति कम होती जाती है। तब आत्मा मांगना शुरू कर देती है। सृष्टि का तीसरा युग यानी द्वापरयुग, जहां हाथ लेने की मुद्रा में आ जाता है और हम मांगना शुरू कर देते हैं। तब आत्मा की शक्ति और घट जाती है। फिर हम चौथे युग में पहुंच जाते हैं। जो है कलियुग। वहां हाथ ऊपर की ओर हो जाता है। यानी हम एक-दूसरे के ऊपर हाथ उठाना शुरू कर देते हैं। अब सबसे महत्त्वपूर्ण बात है कि इस कलियुग के बाद वापस सतयुग आ रहा है। सृष्टि का वो समय चल रहा है जहां घोर कलियुग है। लेकिन घोर रात्रि के बाद सवेरा होना ही है। तो हम सबको मिलकर इस सृष्टि का परिवर्तन करना है। सिर्फ नया साल नहीं आना है। इस सृष्टि पर नया युग आना दिवाली पर मन की सफाई पर भी ध्यान देना चाहिए। जब तक मन साफ नहीं होगा, हम श्री लक्ष्मी का आह्वान नहीं कर पाएंगे।

है। वो नया युग हम सबको मिलकर लाना है। इसलिए हम सबको मन, बुद्धि से देने वाला हाथ रखना है। इससे हमारे संस्कार बदल जाएंगे, मांगने के संस्कार खत्म होंगे, नाराज, दुःखी होने के संस्कार खत्म होंगे। जब देने वाला हाथ बन जाता है तब श्रीलक्ष्मी का आदान होता है। लक्ष्मी मतलब मन का लक्ष्य, हमारे जीवन का उद्देश्य। जो भी हम कर्म करें, उसमें जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। मतलब हर कर्म करते हुए हम सबको कुछ देते रहें। जब देते रहेंगे तो आत्मा भरपूर रहेगी। लक्ष्मी अर्थात् मेरे जीवन का लक्ष्य है सदा देते रहना। मैं देने वाली आत्मा हूं। मैं कलियुग नहीं सतयुग लाने वाली आत्मा हूं। जब उस स्व अस्तित्व में स्थित रहकर हर कार्य करेंगे तो हर कार्य शुभ होगा। जीवन में श्रीलक्ष्मी का आह्वान होगा और सृष्टि पर स्वर्ग आएगा। दिवाली के दिन सभी को नये जीवन की और आने वाले नए युग की शुभकामनाएं देनी है। हमारा सतयुग अभी और इसी क्षण से शुरू होता है। फिर दिवाली एक दिन की नहीं होगी बल्कि हर रोज, पूरी सृष्टि पर दिवाली होगी।

अलविदा डायबिटीज

बीके डॉ. श्रीमंत कुमार
ग्लोबल हॉस्पिटल, माउंट आबू

डायबिटीज के दुष्प्रभाव

■ शिव आमंत्रण

आबू रोड। लो ब्लड शुगर (Low blood suger) निदान - जब-जब रक्त में शुगर की मात्रा कम हो जाती है, अनेकानेक परिलक्षित होते हैं जैसे की घबराहट होना, आंखों के सामने अंधेरा छा जाना, खूब पसीना होना आदि-आदि। पर ये लक्षण और भी कुछ कारणों से भी दिखाई देते हैं। इसलिए हमें सटीक निदान करने की आवश्यकता जरुरी है ताकि हम इसका उपचार भी सही तरीके से और समय से कर सके।

लो ब्लड शुगर (Low blood suger) का सही निदान हम रक्त में सुगर की मात्रा को चेक करके ही कर सकते हैं। इसके लिए हमारे पास दो विकल्प होते हैं- एक तो हम अपना ग्लूकोमीटर से हम चेक करें। दूसरा पैथालोजी लेबोरेटरीज में जाकर अपना रक्त निकलवाकर परिक्षण की जा सकती है।

लेबोरेटरी में कभी कभी चेक कराना सम्भव नहीं होता है, और रिपोर्ट मिलने में समय लगता है। इसलिए अपना ग्लूको मीटर में चेक कर लेना ज्यादा उपयोगी है परन्तु कभी कभी ग्लूकोमीटर को अगर समय प्रति समय कालिब्रेशन (Calibration) नहीं किया गया है, तो गलत रीडिंग भी दिखा सकता है। इसलिए तीन-चार महिने में एक बार अपना ग्लूकोमीटर कालिब्रेशन कराते रहें और लेबोरेटरी में हम जाकर अपना सुगर चेक कराते हैं। तुरन्त अपना ग्लूकोमीटर भी साथ लेकर जाएं और स्वयं गलूको मीटर से शुगर चेक करे तथा लेबोरेटरी की रीडिंग के साथ टैली (मिलान) कर लें। अगर 10 वा 20 मिग्रा. का अन्तर है तो ठीक है परन्तु ज्यादा अन्तर होने से हम धोखें में रह सकते हैं।

अगर रक्त में शुगर की मात्रा 70 मिग्रा से कम है तो हम उसे लो ब्लड शुगर (Hipoglycemia) कह सकते हैं। जब-जब रक्त की मात्रा कम हो जाती है हमारे Vital organi जैसे की मस्तिष्क (Brain), हृदय (Heart), वृक्क (kidney) आदि को भी शुगर की मात्रा कम पहुंचने के कारण फिर अनेकानेक लक्षण दिखाई देते हैं। शुगर की मात्रा रक्त में जैसे-जैसे कम होती जाती है तो क्या-क्या लक्षण दिखाई दे सकते हैं उसका विवरण निम्न प्रकार का है।

रक्त में शुगर की मात्रा और उसके लक्षण
80 मिग्रा%- इन्सुलिन का क्षरण कम होना।
70मिग्रा%-गलुकागन हॉरमोन का क्षरण बढ़ जाना।
60 मिग्रा%-धड़कन तेज हो जाना, घबराहट होना, पसीना निकलना, बी.पी बढ़ जाना
50 मिग्रा%- समय, स्थान का सुदबुध खोना, सामने के व्यक्ति को न पहचानना।
40 मिग्रा%- नींद का अनुभव होना, उंघते रहना।
30 मिग्रा%- बेहोश होना।
20 मिग्रा%- मिर्गिबात का शुरू होना।
10 मिग्रा%- मृत्यु।

बिन्दु
1- यह शुगर की मात्रा जब लेबोरेटरी में चेक किया जाता है तब ही सटीक होता होता है, ग्लूकोमीटर में व्यतिक्रम हो सकता है।
2- अगर किसी को बार-बार लो ब्लड शुगर (Hipoglycemia) होता है तो कुछ समय के बाद उसे कोई भी लक्षण अनुभव नहीं होता और व्यक्ति अचानक बेहोश हो भी जाता है।
3- अगर किसी का शुगर की मात्रा लम्बे समय तक बढ़ा हुआ रहता है और सही उपचार के कारण शुगर जब सामन्य हो जाता है तो भी लो ब्लड शुगर का लक्षण महसूस होने लगता है। इसलिए जब भी लक्षण के कारण मन में शंका है कि रक्त में शुगर की मात्रा कम हो गया है तो तुरन्त ही ग्लूकोमीटर से चेक कर लेना उचित है। बिना चेक किए अगर कुछ न कुछ खाना मुख में लेते हैं तो शुगर की मात्रा पुनः बढ़ जाती है।
अब हम अगले लेख से जानेंगे कि लो ब्लड शुगर का उपचार क्या है।

क्रमशः...

संपर्क: बीके जगतजीत मो. 9413464808 पेशेंट रिलेशन ऑफिसर, ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, माउंट आबू, जिला- सिरोही, राजस्थान

माइंड पॉवर ऑफ YOUTH

राजयोग मेडिटेशन, मूल्य शिक्षा को जीवन में अपनाकर आज हजारों युवाओं के जीवन को नई दिशा मिली है...

डॉ. बबीता
फरिदाबाद

जीवन में अच्छी-बुरी घटनाओं का जिम्मेवार मेरा संकल्प

■ शिव आमंत्रण। मैं पिछले 15 वर्षो से मेडिटेशन का अभ्यास कर रही हूं। सारी बीमारियों का कारण कहीं न कहीं हमारे संकल्प ही है जो हमारे शरीर को प्रभावित करते हैं। मैंने बहुत लोगों की काउंसिलिंग की और उनसे उनके मन में छुपे संकल्पों को बाहर लाने का प्रयास किया। उसके बाद हुआ यह कि जो रोग ठीक नहीं हो रहे थे मेडिटेशन अभ्यास से उनके बाडी हीलिंग प्रक्रिया तेज हो गयी और दवाओं का असर भी तेज हो गया। लोग जल्दी ठीक भी होने लगे। इसलिए हमें कभी भी अपनी फीलिंग को दबाके नहीं रखना है। किसी की बात बुरी लगी तो ऐसा नहीं कि सबके सामने उनको कुछ गलत बोल दिया, नहीं जब वे मिले तो उनको आप बड़े प्यार से बोलो कि मुझे आप से पांच मिनट बात करनी है। आपने यह बात क्यों कहा, उस मैटर को उसी दिन खत्म करना है। खान-पान भी ठीक रखना है। बाकि आलस्य अलबेलापन तो हमारे अटेंशन से ही खत्म हो जाता है।

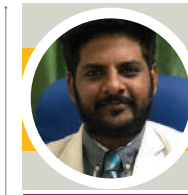

बीके मनोज
मुंबई, महाराष्ट्र

हर समस्या का समाधान परमात्मा के पास है

■ शिव आमंत्रण। 2013 में ईश्वरीय ज्ञान मिला। 2016 के एक दुर्घटना में मेरा सिर पूरा फट गया और दांत भी टूट गए। मैं मृत्यु के एकदम निकट पहुंच गया था। अस्पताल में डॉक्टरों ने छः-सात घंटे मेरी सर्जरी कर 40 टांके लगाये। उस समय जब दुर्घटना हुई तब मेरी बेटी की 12वीं की परीक्षा थी। मुझे चिंता होने लगी कि मेरे कारण उसका रिजल्ट खराब न हो जाए। मैंने परमात्मा को अमृतवेले अपनी समस्या बताई। परमात्मा ने मेरी बात सुनी और उसका फल भी दे दिया। मेरी बेटी गोंदिया में टॉप पोजिशन पर आ गई। गोल्ड मैडल से उसका सम्मान भी किया गया। वाह बाबा वाह! यह लिखते समय मेरी आंखों में परमात्मा के प्यार व मदद के आंसू बह रहे हैं। बच्ची का एडमिशन बीजेटीआई गवर्मेंट कॉलेज, मुंबई में हो गया और स्कॉलरशिप भी मिल गई परन्तु होस्टल नहीं मिला। फिर मैंने बाबा को अर्जी लगाई। बाबा ने मेरी अर्जी मंजूर की और बच्ची को बहुत विपरीत परिस्थितियों में भी होस्टल मिल गया।

संपादकीय

बीती को बिसार दें आगे की सुधि लें

पिछला वर्ष खट्टी मीठी यादों के साथ बीता। सबसे भयावह तो रहा करोना काल की दूसरी लहर। जिसमें लाखों लोगों की जान चली गयी। पहली बार ऑक्सीजन की कमी लोगों को पड़ी और बहुत सारे लोगों की जान ऑक्सीजन के बगैर चली गयी। या यूं कहें कि साल 2020 बहुत ही चुनौतियों वाला था। जन और धन दोनों की बड़े पैमाने पर हानि हुई। लोगों को एक-दूसरे से अलग रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। अदृश्य वायरस से बचने के लिए नाक और मुंह को ढकना पड़ा। एक दूसरे से दूरी रखनी पड़ी। पूरी दुनिया अवसाद और भय में गुजरी। इसमें अगर किसी से शक्ति मिली तो वह थी आध्यात्मिकता की शक्ति। जिसके जरिए मनुष्य खुद को स्टेबल कर सका। परन्तु अब उसकी पुनरावृत्ति ना हो उसके लिए पुनः हमें इसे कंटिन्यू करने की जरूरत है। सावधानी रखने की आवश्यकता है। आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग को जीवन में अपनाना ही इससे बचाव का तरीका है। यही चीज हमें इन व्याधियों से बचा सकती है।

संदेशः अगर किसी से शक्ति मिली तो वह थी आध्यात्मिकता की शक्ति। जिसके जरिए मनुष्य खुद को स्टेबल कर सका।

बोध कथा | जीवन की सीख

पवित्रता से बढ़कर कोई रत्न नहीं

पाटलिपुत्र की एक नगरवधू थी। उसकी सुंदरता की चर्चा दूर-दूर तक होती थी। उसकी एक मुस्कान पर बड़े-बड़े लोग सब कुछ लुटाने को तैयार रहते थे। एक दिन शाल्वन बुद्ध पीठ के मठाधीश वसंत गुप्त उधर से निकले तो नगरवधू पर उनकी नजर पड़ी। उन्होंने उसे देखा तो सब कुछ भूल गए। वे उसी संत वेश में नगरवधू के घर जा पहुंचे। नगरवधू का अनुमान था कि वे भिक्षा के लिए आए होंगे, इसलिए उसने उनका खूब स्वागत-सत्कार किया और अपनी एक सेविका को उन्हें भिक्षा देने के लिए कहा। पर वसंत गुप्त का इरादा तो कुछ और ही था। वह तो प्रणय निवेदन कर रहे थे। नगरवधू के लिए यह किसी आघात से कम न था। पर उसने तिरस्कार करना तो ठीक न समझा, पर शर्त लगा दी कि इतना धन वे दे सकें, तो ही उनकी मनोकामना पूर्ण हो सकेगी। वसंत गुप्त चल दिए और जिन धनिकों से उनका परिचय था, उन सभी से रत्न मांगकर उन्होंने उतनी संपदा जुटा ली। फिर वे लंबे डग भरते हुए आए और वह सब कुछ नगरवधू के चरणों में रख दिया। नगरवधू ने उन रत्नों से अपने पैर रगड़-रगड़ कर घिसे और उन्हें नाली में फेंक दिया। यह देख वसंत गुप्त घबराए। नगरबधू ने उनसे कहा, 'देव। आप का वेश और तप मेरे मलिन शरीर से कहीं ज्यादा श्रेष्ठ है। उसका उपार्जन इसी प्रकार नाली में चला जाएगा, जैसे कि यह रत्न राशि इस गंदी नाली में बह गई।' नगरवधू की यह बात वसंत गुप्त के हृदय को तीर की तरह चुभी। अचानक उनका विवेक जागा। वे लज्जित हुए। वे नगरवधू को प्रणाम कर उलटे पैर लौट गए।

संदेशः नगरवधू ने कहा आप का वेश और तप मेरे मलिन शरीर से कहीं ज्यादा श्रेष्ठ है।

सृष्टि पर आत्मिक गतिशीलता एवं जागृत अनादि स्वरूप

डॉ. अजय शुक्ला
बिहेवियर साइंटिस्ट, गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

जीवन का मनोविज्ञान | भाग - 40

■ शिव आमंत्रण

आबू रोड । जगत में गतिशील जीवन के बोध से आत्मा की अनंत यात्रा का जागृत स्वरूप अत्यंत व्यापक है जिसकी सहज स्वीकारोक्ति आत्मा को सदा आनंद से भरपूर रखती है। नैसर्गिक उपलब्धि का संपूर्ण यथार्थ पंचतत्व के माध्यम से सर्व प्राणियों को संतुष्ट करके मनुष्य को अधिकार एवं कर्त्तव्य की अनुभूति से अवगत कराता रहता है। आत्मा की दीर्घकाल से गतिमान स्थिति के सजगतापूर्ण परिदृश्य का प्रमाण स्वयं की सात्विक अवस्था से निसर्ग को सतोप्रधान स्वरूप में बनाए रखने की व्यवहारिक मदद होती है। सृष्टि पर आत्मा की गतिशीलता जब जागृति के अनादि संदर्भ को विश्लेषित करती है तब आत्मा के वास्तविक गुण एवं शक्तियों की वैभव संपन्नता का स्पष्ट आभास होता है। आत्मा की मूलभूत प्रवृत्ति उसकी नैसर्गिकता है जो प्रकृति के संपूर्ण परिदृश्य में जीवंत जुड़ाव को संवेदनशील रूप में अभिव्यक्त करते हुए सहजीवी परंपरा को विकसित करने में निरंतर योगदान देती है।

चेतना की गतिशीलता को अनादि काल से मानव, चिंतन की प्रक्रिया द्वारा अनुभव करता है जिसमें अतीत, आगत एवं अनंत के विभिन्न संदर्भ और प्रसंग विद्यमान रहते हैं। आत्मा के जागृत गतिशील स्वरूप द्वारा उपस्थिति का बोध आगमन एवं प्रस्थान की अवस्था में व्यक्ति स्वमेव - मन, बुद्धि और संस्कार की क्रियाविधि से अनुभव करता है। गतिमान चेतना-पाषाण में सुप्त, पेड़ पौधों में जागृत, जीव-जंतुओं में गतिशील तथा मनुष्य में चिंतनशील अवस्था के माध्यम से अभिव्यक्त होती है। आत्मा का अनादि स्वरूप विराट मानवता का पक्षधर होता है जिसकी पुष्टि वह अंतःकरण की पवित्रता से प्रस्फुटित सद्गुणों के उपयोग से प्राप्त संतुष्टि द्वारा निरंतर करता है। श्रेष्ठ, शुभ एवं पवित्र कर्म में श्रद्धा-सदा चेतना, चिंतन और पुण्य के निर्माण की आस्था को महान, धर्म तथा देवात्मा स्वरूप की मान्यता में विकसित करती है।

ज्ञान की अनुभूति जीवन में आत्मबोध की महत्ता को प्रतिपादित कर देती है जिससे अनादि स्थिति की सत्यता को स्वीकार करना व्यक्ति के लिए सहज हो जाता है। आत्मशक्ति को उसके वास्तविक स्वमान, स्वरूप एवं स्वभाव के अनुसार आचरण द्वारा आत्मसात कर जीवन में अनादि स्थिति का आत्मबोध किया जाना साक्षी दृष्टा बनने में सहायक होता है। आत्म तत्व की अखंडता और अमृत्व का अस्तित्व जागृत अनादि स्वरूप का परिचायक है जिसमें अगाध श्रद्धा का भाव व्यक्तित्व-कृतित्व को पूर्णतः निखार देता है। मानव व्यवहार की गरिमा का सहज, सरल और विनम्रता से युक्त जीवन सर्व के लिए आत्मा की अनादि स्थिति को स्वरूप में स्वतः ही प्रतिबिंबित करता है। अनादि उच्चता का आत्मगत यथार्थ जीवन में उपराम स्थिति, कर्मातीत अवस्था एवं अव्यक्त स्वरूप को सत्यता के नैसर्गिक अनुभव से समृद्धशाली बनाता है।

अनादि अव्यक्त स्वरूप ही सर्वोच्च आत्मिक अवस्था का प्रमाण है जिसमें जीवन मुक्ति की सहज स्थितियां निहित होती है जो अंततः मोक्ष प्राप्ति की व्यावहारिकता को रेखांकित करती हैं। परम सत्ता के सम्मुख समर्पण जीवन में संपूर्णता हेतु पुरुषार्थ का नैसर्गिक बोध है जो सत्यता की दार्शनिक भाव की यथार्थ पृष्ठभूमि को आत्मिक संपन्नता में परिवर्तित करता है। साक्षी दृष्टा की पराकाष्ठा जीवन की योगिक प्रक्रिया को आत्मसात करके प्राप्त होती है जिसमें आत्मा उपरांत स्थिति में आत्म साक्षात्कार से कर्मातीत अवस्था में स्थापित हो जाती है। पवित्रता का अभिव्यक्त स्वरूप आत्मा की श्रेष्ठतम अवस्था का सबल पक्ष है जो जीवन को आत्म परिष्कार से जोड़कर विश्व कल्याण में विशिष्ट योगदान के लिए मददगार बनता है। संपूर्ण प्रकृति की सात्विकता को अक्षुण्ण बनाए रखने हेतु जब आत्मा भगीरथ पुरुषार्थ की गतिशीलता में रूपांतरित होती है तब आत्मिक अवस्था की उच्चता पूर्णतः व्यावहारिक हो जाती है।

तत्व चिंतन के परिष्कार से सृष्टि पर आत्मिक गतिशीलता का जागृत अनादि स्वरूप अनुभव होता है जिसमें चेतना की सात्विकता, संपूर्ण पवित्रता के आभामंडल में विद्यमान रहती है। आत्मिक यात्रा का जीवंत परिदृश्य जीव - जगत में गतिमानता के साथ अनादि स्थिति की सत्यता को आत्मबोध के द्वारा श्रेष्ठतम आत्मिक अवस्था में रूपांतरित कर देता है। मानवीय मूल्यनिष्ठता का विराट स्वरूप आत्मगत चेतना की संपन्नता को सेवाभाव से परोपकारी स्थितियों में परिवर्तित कर देता है जिसमें ज्ञान और योग से सत्कर्म का सानिध्य बना रहता है । चेतना की सात्विकता क्षमा भाव से कल्याणकारी कार्यों को आत्म साधना द्वारा संपूर्ण अनादि स्वरूप को अभिव्यक्त करती है। अनादि स्वरूप की समृद्धशाली व्यावहारिकता को आत्मा की सात्विक उच्चता में जगत हितकारी के साथ सदा मंगलकारी देवात्मा स्वरूप में स्वीकारोक्ति प्राप्त होती है ।

प्रेरक विचार Spiritual THOUGHTS

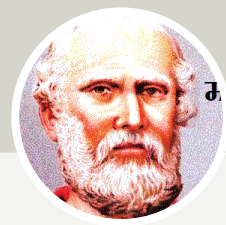

खुद पर काबू पा लेना ही मनुष्य की सबसे महत्वपूर्ण जीत होती है।

प्लेटो, यूनानी प्रसिद्ध दार्शनिक

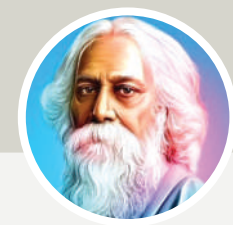

नदी किनारे खड़े होकर पानी को ताकते रहने से आप नदी पार नहीं कर सकते हैं।

रवीन्द्रनाथ टैगोर
महान कवि

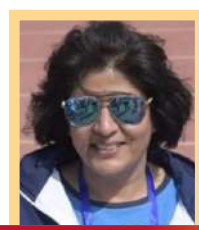

मेडिटेशन से जीवन में मिलती है प्रेरणा

मैंने हमेशा अपनी सकारात्मक सोच को बरकरार रखा। मेरे कमर से नीचे का हिस्सा लकवा से ग्रस्त है।

मेरी कलम से

दीपा मलिक
इंटरनेशनल पारा एथलीट

■ शिव आमंत्रण

आबू रोड । मुझसे अक्सर लोग पूछते हैं कि आप हमेशा पॉजीटिव कैसे रहते हैं? मन की स्थिति हमेशा खुश कैसे रहती है? मैं कहना चाहूंगी कि जब मैं 5 वर्ष की थी मेरा तीन-चार साल बचपन बिस्तर पर गुजरा। उस समय पिता ने समझाया बेटी यह समय इंजॉय करके गुजारना है। छोटी सी थी उस समय में कोई वीडियो गेम आईपैड मोबाइल टीवी ऐसा कुछ नहीं था तो मैं कहानियां सुनती थी। तब मैंने सीखा कि हमें मुसीबत से डरना नहीं है। मैंने एक कमरे में 3 साल एक्सरसाइज करके दोबारा जीवन को सही सलामत पटरी पर लाई। मुझे यह समझ आया कि वाकई मेहनत करने से पॉजिटिव रहने से, मेडिटेशन अभ्यास से जिंदगी में फल हमेशा अच्छे मिलते हैं। फिर विवाह हुआ एक बिटिया हुई जिसका मात्र डेढ़ साल में एक्सीडेंट हुआ। अब बिटिया का इलाज के दौरान उसके शरीर का एक पूरा हिस्सा पैरालाइज हो गया। पति कारगिल की लड़ाई में थे। मैंने हमेंशा अपनी सकारात्मक सोच को बरकरार रखा। मेरे कमर से नीचे का हिस्सा लकवा से ग्रस्त है। मेरे पति सेना के अधिकारी हैं। मैं दो बच्चों की मां हूं।17 साल पहले रीढ़ में ट्यूमर के कारण मेरा चलना असंभव हो गया था। हमें 31 ऑपरेशन किए गए जिसके लिए मेरी कमर और पांव के बीच 183 टांके लगे थे। 36 की उम्र में तीन ट्यूमर सर्जरीज और शरीर का निचला हिस्सा सुन्न हो जाने के बावजूद हमने न केवल शॉटपुट एवं जेबलिन थ्रो में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीते हैं, बल्कि तैराकी एवं मोटर रेसलिंग में भी कई स्पर्धाओं में हिस्सा लिया है। हमने भारत की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 33 स्वर्ण तथा 4 रजत पदक प्राप्त किये हैं। हम भारत की एक ऐसी पहली महिला हैं, जिसे हिमालय कार रैली में आमंत्रित किया गया। वर्ष 2008 तथा 2009 यमुना नदी में तैराकी तथा स्पेशल बाइक सवारी में भाग लेकर दो बार लिम्का बूक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराया। सन 2007 में ताइवान तथा 2008 में बर्लिन में जेबलिन थ्रो तथा तैराकी में भाग लेकर रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त किया। कॉमनवेल्थ गेम्स की टीम में भी हमें चयनित की गईं। पैरालंपिक खेलों में उपलब्धियों के कारण भारत सरकार ने अर्जुन पुरस्कार प्रदान किया। भाला फेंक, तैराकी में भाग लिया था। वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तैराकी में पदक जीत चुकी है। भाला फेंक में एशियाई रिकॉर्ड व गोला फेंक, चक्का फेंक में 2011 में विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीते थे।

त्रिपुरा के सीएम ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल की साइकिल रैली में आए जवानों को किया संबोधित

ब्रह्माकुमारी बहनें दुनियाभर में श्रेष्ठ रीति-नीति, सद्भाव, संस्कार का विकास कर रही हैं: सीएम

कार्यक्रम को सम्बोधन के बाद सम्मान प्राप्त करते सीएम बिप्लब देब, रैली को रवाना करते सीएम तथा नीचे सभा में उपस्थित लोग।

■ शिव आमंत्रण । आबू रोड। कश्मीर में 370 धारा को कोई हाथ नहीं लगाता था, हर कोई डरता था लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के अगुवाई में ये धारा हटने से कश्मीर में शांति और विकास हो रहा है। देश और कश्मीर की शांति भी पसंद नहीं आ रही है। जो लोग देश को डिस्टर्ब करना चाहते है उन्हें जरूर सबक मिलेगा।

उक्त उदगार त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने व्यक्त किये। वे देश की आजादी के अमृत महोत्सव के तहत लेह से गुजरात के केवड़िया तक जाने वाली आईटीबीपी के जवानों की साईकिल रैली को झंडी दिखाने के बाद कही। उन्होंने कहा कि इस तरह की रैली से देश भक्ति और देश निर्माण को मजबूती मिलेगी। हमें हौसला आफजाई करना चाहिए। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की बहने देश और दुनिया भर में श्रेष्ठ रीति नीति, सदभाव, संस्कार का विकास कर रही है। इससे जीवन

अच्छा बनता है। निश्चित ही इससे समाज में सकारात्मक बदलाव आयेगा। यहाँ का मंत्र है अच्छा सोचो श्रेष्ठ सोचो।

साईकिल रैली के कोआर्डिनेटर तथा आईटीबीपी के डिप्टी कमांडेंट अजय शर्मा व आबू रोड रेवदर विधायक जगसीराम कोली ने भी संबोधित किया। संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके संतोष ने कहा कि राजयोग ध्यान से हमारा जीवन अच्छा बन जाता है। इसलिए प्रतिदिन इसे अपनायें। संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने कहा कि हमारे देश के जवानों से ही हमारा देश सुरक्षित है। लेकिन मनुष्य मन के अन्दर व्याप्त बुराईयों से भी सुरक्षा करनी है।

मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर गुजरात के केवड़िया जाने के लिए रवाना किया।

बीके डॉ. दीपक हरके भारत गौरव अवार्ड से सम्मानित

भारत गौरव पुरस्कार स्वीकारते हुए डॉ. दीपक हरके।

■ शिव आमंत्रण । वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में कांफ्लुएंस एनजीओ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में भारत महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र -अहमदनगर से ब्रह्माकुमारीज के राजयोग अभ्यासी डॉक्टर बीके दीपक हरके को भारत के प्राचीन राजयोग के प्रसार और प्रचार के लिए स्वास्थ्य गुरू और कॉरपोरेट लाइफ कोच डॉ. मिकी मेहता ने भारत गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर वाराणसी के वरिष्ठ राजयोग शिक्षक बीके विपिन उपस्थित रहे जिन्होंने डॉ. मिकी मेहता को ईश्वरीय सौगात भेंट की तथा संस्था के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया।

शिव ज्ञान से तरित आत्माएं ही हैं नौ चैतन्य देवियों का रूप

सूरत के कार्यक्रम में बीके भगवान एवं अन्य अतिथि।

■ शिव आमंत्रण । सूरत। गुजरात के सूरत में नवरात्री के पावन पर्व पर रुधानाथपुरा के सोनी समाज भवन में चैतन्य देविकों की झांकी कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए बीके भगवान ने कहा, नवरात्र का भावनात्मक अर्थ है दुर्गा के नौ रूपों की नौ दिनों तक पूजा-अर्चना और नवरात्र का आध्यात्मिक अर्थ है नव या नए युग में प्रवेश करने से ठीक पहले की ऐसी घोर अंधियारी रात्रि, जिसमें शिव अवतरीत होकर मनुष्यात्माओं के पतित अवचेतन मन (कुसंस्कार) का ज्ञान अमृत द्वारा तरण (उद्धार) कर देते हैं। अवतरण अर्थात् अवचेतन का तरण। ऐसी तरित-आत्माएं फिर चैतन्य देवियों के रूप में प्रत्यक्ष हो कर कलियुगी मनुष्यों का उद्धार करती हैं। बालाजी रोड सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित इस आयोजन में मुख्यालय माउंट आबू से वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक बीके भगवान, महिला मंडल की प्रमुख पूर्णिमा जरीवाला, उद्योगपति एवं सोनी समाज भवन के ट्रस्टी परेश पटेल, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके फाल्गुनी समेत कई गणमान्य लोग, आगंतुक एवं बीके सदस्य उपस्थित रहे जिन्हें नवरात्री का आध्यात्मिक रहस्य एवं सकारात्मक चिंतन पर बीके भगवान् ने उद्बोधित किया। उन्होंने बताया की शिवरात्रि होती है, फिर नवरात्रि और फिर नवयुग आता है। मां दुर्गा को शिव-शक्ति कहा जाता है।

आबूरोड स्टेशन की सफाई की बागडोर ब्रह्माकुमारीज़ को सौंपी

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान को फिर 5 वर्ष के लिए भारतीय रेलवे ने सफाई की बागडोर सौंपी

■ शिव आमंत्रण । आबूरोड रेलवे स्टेशन राजस्थान के सिरोही जिले में स्थित है और उत्तर पश्चिमी रेलवे के अजमेर मंडल के अंतर्गत आता है। यह माउंट आबू स्थित लोकप्रिय हिल स्टेशन का प्रवेश द्वार है। आध्यात्मिक प्रवीण ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ने आबूरोड स्टेशन के इंटीग्रेटेड मशीनीकृत सफाई कार्य का सम्पूर्ण जिम्मा एक बार फिर 5 साल के लिए ले लिया है। इसके लिये पूर्व में 15.07.2017 को ब्रह्माकुमारीज और भारतीय रेलवे के बीच एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए थे। आज पुनः 5 वर्ष के लिए इस कार्य हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर व एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। मंडल रेल प्रबंधक श्री नवीन कुमार परसुरामका की गरिमामयी उपस्तिथि में आज वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री विवेक रावत और ब्रह्माकुमारीज से बीके सोमशेखर ने एमओयू का आदान-प्रदान किया। मंडल रेल प्रबंधक अजमेर नवीन कुमार परसुरामका ने कहा कि यह भारतीय रेलवे में अनूठी पहल है जहां एक आध्यात्मिक संगठन ने एक स्टेशन की सफाई का जिम्मा लिया है। इस कदम ने सिद्ध किया है कि निजी संगठन भी अपनी भावनात्मक व सामाजिक जिम्मेदारियों के अन्तर्गत स्टेशनों के विकास में अपना योगदान दे सकते है। इस सफाई काम के दायरे में प्लेटफार्मों की सफाई, प्रतीक्षालय, वेटिंग हॉल, सभी कार्यालयों, पटरियों और परिचालित क्षेत्र शामिल किये गए है। संस्थान को एक विश्व स्तर के स्टेशन बनाने के लिए और यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न यात्री सुविधाओं और अन्य सुविधाओं सफाई प्रदान करना है।

तीन दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा संपन्न

■ शिव आमंत्रण । लहेरियासराय (दरभंगा)। दरभंगा बिहार के लहेरियासराय में राजयोगनी बीके कंचन बहन के द्वारा तीन दिवसीय श्रीमद्भगवतगीता का कार्यक्रम संपन्न हुआ। जहां हजारों की संख्या में लोग लाभान्वित हुए।

तीन दिवसीय चैतन्य देवी दर्शन एवं बठुकमा कार्यक्रम

एक्जिबिशन का उद्घाटन करने आए अतिथि श्रीनिवास यादव के साथ भाई-बहनें।

■ शिव आमंत्रण । सिकंदराबाद। तेलंगाना के सिकंदराबाद में तिन दिवसीय चैतन्य देवी दर्शन, स्प्रिचुअल एक्जिबिशन एवं बठुकम्मा कार्यक्रम का आयोजन बीके मंजू के निर्देशन में किया गया। एक्जिबिशन का उद्घाटन एनिमल हसबेंडरी एवं फिशरीज के मिनिस्टर तलसानि श्रीनिवास यादव के बेटे के कर कमलों से हुआ जिसके पश्चात् रावण को जलाकर अपने विकारों का दान करने का सभी ने संकल्प किया।

बीके भाई-बहनें मोबाइल वैन से गांव-गांव देंगे नशामुक्ति का संदेश

स्वर्णिम भारत रथ को शिवध्वज दिखाकर रवाना करते अतिथि।

शिव आमंत्रण । गढ़वाल। उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र स्थित श्रीनगर निवासियों के प्रति नशा मुक्त उत्तराखंड करने के लिए मेरा उत्तराखंड, व्यसन मुक्त उत्तराखंड अभियान के द्वारा समस्त गढ़वाल ग्रामवासियों को मोबाइल वैन के जरिए जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत नशा मुक्ति की विस्तृत जानकारी प्रोजेक्टर शो के माध्यम से करीब 200 भाई-बहनें, बच्चे और अतिथियों की उपस्थिति में बीके राजीव ने देते हुए बताया, कि नशा एक मानसिक कमजोरी है जिसे सहज रीति से स्वयं की आंतरिक शक्तियों की अनुभूति से ठीक किया जा सकता है।

इस मोबाइल वैन के जरिए थेरेसस कॉन्वेंट स्कूल, राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, रिटायर्ड एसोसिएशन श्रीनगर, लक्ष कोचिंग इंस्टिट्यूट, गोल बाजार एवं कमलेश्वर गेट पर परमात्म ज्ञान के साथ नशा मुक्ति के कई उपाय विडियो शो के माध्यम से दिखाए गए जिससे कई लोगों को व्यसनों को त्यागने की प्रेरणा मिली। कार्यक्रमों को सफल बनाने में बीके प्रीति, बीके सुनीता, बीके अंकिता समेत कई लोगों का सहयोग रहा।

आंतरिक शक्ति बढ़ाने के लिए परमात्मा से संबंध जोड़ना अनिवार्यः बीके तापोशी

नव प्रशिक्षु पुलिस बल के जवानों को संबोधित करती बीके तापोशी।

शिव आमंत्रण । वाराणसी। नव प्रशिक्षु युवा पुलिस बल के जवानों के लिए यूपी वाराणसी के पुलिस लाइन में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजयोग द्वारा तनाव प्रबंधन एवं कार्य कुशलता विषय पर आयोजित कार्यक्रम में करीबन 600 नव प्रशिक्षु पुलिस बल के महिला एवं पुरुष जवानों की सहभागिता रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीके तापोशी ने कहा कि वर्तमान समय मानव अनेक चुनौतियों एवं समस्याओं से घिरा हुआ है। अपने आत्मिक स्मृति की विस्मृति के कारण भौतिकवाद की अंधी दौड में मृगतृष्णा के समान भटकता जा रहा है। आंतरिक सद्गुण और आत्मबल से शून्य होता हुआ मानव अपने को हर परिस्थितियों में विचलित और अधिर महसूस कर रहा है। ऐसे में राजयोग के द्वारा खुद को आंतरिक शक्तियों से सम्पन्न बनाने के लिए परमात्मा से सम्बन्ध जोड़ना अनिवार्य है। अपने अनुभव साझा करते हुए बीके डॉ. कीर्ती ने कहा, राजयोग के बल पर हम अपने कार्य व्यवहार में संतुलन और व्यवहार में दिव्यता लाकर व्यक्तित्व में असाधारण विकास कर सकते है। क्योंकि राजयोग से हमारे जीवन में मानसिक शीतलता और शक्ति की अभिवृध्दि होती है। कार्यक्रम में पुलिस लाइन ट्रेनिंग सेण्टर के प्रभारी आशीष भदौरिया ने संस्था के समाज के हित के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए बीके बहनों का आभार व्यक्त किया। बीके राजू ने संस्था का परिचय दिया। अंत में सभी को राजयोग का अभ्यास कराया गया।

कोविड-19 के बाद का सुप्रशासन **चुनौतियां एवं सम्भावनाएं** विषय पर कार्यक्रम सम्पन्न

पुलिस अधिकारियों और बंदियों को बताए राजयोग मेडिटेशन के टिप्स

शिव आमंत्रण । अमृतसर । पंजाब में अमृतसर के लॉरेंस रोड सेवाकेंद्र द्वारा एसएसपी रूरल पुलिस ऑफिस में एम्पावरिंग माइंड, राजयोग मेडिटेशन विषय के तहत कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर एसपी अमनदीप कौर, डीएसपी बलदेव सिंह, डीएसपी अरविंदर सिंह, इंस्पेक्टर हरपाल सिंह समेत अन्य पुलिस अधिकारीयों एवं कर्मचारियों ने सेशन का लाभ लिया। इस कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के तौर पर बीके डॉ. किरण एवं पॅथोलोजिस्ट बीके डॉ. मोनिका एवं बीके पवन ने पुलिस अधिकारीयों एवं मुजरिमों को मेडिटेशन के टिप्स दिए। सबजोन प्रभारी बीके आदर्श के निर्देशन में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

दिव्यांगों की मदद करना, सहयोग देना हमारा और प्रशासन का कर्तव्य है

परिचर्चा में उपस्थित अतिथि।

शिव आमंत्रण । रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा स्थित शांति धाम झिरिया सेवाकेंद्र पर विश्व सांकेतिक भाषा दिवस पर आयोजित परिचर्चा में कलेक्टर रीवा श्री. इलैयाराजा ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनों ने इन बच्चों के लिए बहुत मेहनत की है। इन बच्चों को आगे सभी मुख्य कंपनियों में, संस्थानों में रोजगार दिलाया जाएगा और प्रशासन द्वारा पूरी मदद की जाएगी। इनकी मदद करना, सहयोग के लिए कार्य करना हमारा और प्रशासन का पहला पुनीत कर्तव्य है। परिचर्चा में प्रमुख अतिथियों में जिला कलेक्टर इलैयाराजा, सुभाष कुमार शर्मा, दीपशिखा श्रीवास्तव, भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के उपाध्यक्ष एके खान, लक्ष्मी एजुकेशन सोसाइटी से सोनाली श्रीवास्तव समेत कई गणमान्य लोक उपस्थित रहे। 2021 के अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस का विषय रहा 'हम मानवाधिकारों के लिए हस्ताक्षर करते हैं'। कार्यक्रम का शुभारंभ संगीतकार नीलेश श्रीवास्तव के सुमधुर भजनों द्वारा हुआ। सभी ने परमात्मा को याद करके श्रेष्ठ कार्य करने का संकल्प लिया। इसके साथ-साथ ही वक्ता के रूप में देवेंद्र दिवेदी, शाहिद परवेज, राज लाखन पटेल ने कहा कि इन बच्चों के प्रति सभी शांति पूर्वक व्यवहार करें एवं उनका सहयोग करें और आत्मनिर्भर और सम्मान दिलाने में पूरा पूरा सहयोग करें। धीरज मिश्रा, जयप्रकाश गुप्ता, रंजना श्रीवास्तव एवं देवेंद्र त्रिवेदी को सम्मानित किया गया। समाजसेवी राज राखन पटेल ने आभार व्यक्त किया।

नशामुक्ति संदेश के बाद किया गया वृक्षारोपण का श्रेष्ठ कार्य

नशामुक्ति कार्यक्रम में शामिल लोग।

शिव आमंत्रण । सिमडेगा । ओडिशा के राउरकेला स्थित कोयलनगर सेवाकेन्द्र द्वारा 'मेरा भारत व्यसन मुक्त भारत' और सेव ह्युमानिटी बाय क्लीन द माइंड एंड ग्रीन द अर्थ थीम के अंतर्गत नशा निवारण के कार्यक्रमों को एस. एस. उच्च विद्यालय, बानो एवं झारखण्ड सिमडेगा के कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित किया गया। बीके जयश्री के मार्गदर्शन में इन कार्यक्रमों के तहत नशा मुक्ति की जानकारी बीके राजीव, बीके चित्तरंजन ने दी। इसमें करीब 300 छात्रों और 150 सिमडेगा प्रान्त के कृषकों ने भाग लिया। अंत में सभी को मेडिटेशन का अभ्यास कराया गया तो विद्यालय परिसर में करीब 20 फलदार वृक्षों के पौधे लगाए गए। इन दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र, सिमडेगा के कृषि विभाग वैज्ञानिक डॉ. पंकज सिंह, पशु विभाग वैज्ञानिक डॉ. शंकर कुमार सिंह, मिट्टी विभाग वैज्ञानिक डॉ. हिमांशु सिंह, प्रधानाचार्य अनुग्रह कुमार पण्डा शामिल हुए।

दिव्य समर्पणः शिवलिंग को वरमाला पहनाकर बनाया अपना जीवनसाथी

भगवान शिव को अपना साथी स्वीकार करतीं बीके ममता।

शिव आमंत्रण । शाजापुर (मप्र)। प्रत्येक मां-बाप का सपना होता है कि उसकी लाडली को अच्छा घर और वर मिल जाये जिससे उसका कन्यादान कर उसे नयी जिन्दगी शुरु करने का आशीर्वाद दें। परन्तु एमपी के हरायपुरा शाजापुर में एक ऐसे माँ बाप ने लाडली का कन्यादान किया जिसे लोगों का सिर गर्व से ऊंचा हो गया। ब्रह्माकुमारीज संस्थान शाजापुर सेवाकेन्द्र पर राजयोग का अभ्यास करने वाली बीके ममता ने आजीवन परमात्मा शिव को साक्षी मानकर शिवलिंग के गले में वरमाला डाली और खुद को ईश्वरीय सेवा अर्थ परमात्मा शिव को पूरा जीवन सौंप दिया। इस मौके पर भोपाल जोन प्रभारी बीके अवधेश इस पूरे मामले की गवाह बनी। साथ ही सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके पूनम, बीके चन्दा, बीके दीपक भाई समेत कई लोग उपस्थित थे।

बच्चों की प्रतिभा निखारने लिए करेंगे हर संभव प्रयास

सभा को सम्बोधित करते अतिथि एवं उपस्थित श्रोतागण।

■ **शिव आमंत्रण ।** **आबू रोड।** शारीरिक शिक्षकों के लिए ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए आयोजित कार्यशाला में बच्चों की प्रतिभा को निखारने पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें आबू रोड के प्रधान लीलाराम गरासिया ने कहा, कि ग्रामीण स्तरीय बच्चों की प्रतिभा निखारने के लिए हर सम्भव प्रयास किया जायेगा। चाहे वह खेल का मैदान हो या उनकी सुविधायें हर सम्भव मदद की जायेगी। वे ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मनमोहिनीवन स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यशाला में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, कि ग्रामीण स्तर पर स्कूलों के खेलकूद के लिए मैदान उपलब्ध कराना जरूरी है। इसलिए बच्चों के खेलों से लेकर अन्य चीजों की कमी नहीं आने दी जायेगी। इस अवसर पर जिला परिषद के सदस्य हरीश चौधरी ने कहा, कि खेलकूद में शामिल शारीरिक शिक्षकों को बच्चों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। किसी भी बच्चे के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होना चाहिए। जिला परिषद की तरफ से जो भी सहयोग होगा वह किया जायेगा। आबू रोड के उपप्रधान ललित सांखला ने कहा, कि हमारी सोच है कि आबू रोड से अच्छे खिलाड़ी निकले और राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायें। इसके लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में सीडीओ भोपाल रामपुरोहित, ब्रह्माकुमारीज के पीआरओ बीके कोमल, कार्यक्रम संयोजक ईश्वर सिंह राव, ब्लाक समन्वयक विरेन्द्र त्रिवेदी, कबड्डी संघ के अध्यक्ष सागरमल खंडेलवाल, पंचायत समिति सदस्य आबू रोड रणजीत सिंह समेत कई लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान शांतिवन की राजयोग शिक्षिका बीके कृष्णा ने राजयोग मेडिटेशन कराया।

परमात्मा के संग के रंग से मिलता है दीर्घायु का वरदान

राजयोग का महत्व बताते हुए बीके आशा, साथ में बीके अनीता।

■ **शिव आमंत्रण ।** **चित्तौड़गढ़।** राजस्थान में चित्तौड़गढ स्थित साई इलेक्ट्रो सोसाइटी द्वारा ऋषिराज वाटिका में करवाचौथ के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे ब्रह्माकुमारीज को भी विशेष पर्व का आध्यात्मिक रहस्य स्पष्ट करने के लिए आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर प्रतापनगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके आशा ने बताया, कि परमात्मा शिव के संग के रंग की अलौकिक मेहंदी हमे जन्म जन्म के लिए सुख-शांति-समृध्दि एवं दीर्घायु का वरदान देती है। बीके अनीता ने सभी को राजयोग का अभ्यास कराया। इस आयोजन में सोसाइटी अध्यक्ष डॉ संजय गिल, हरदीप कौर समेत कई लोग शामिल हुए एवं बीके बहनों का आभार व्यक्त किया।

हमीरपुर के कॉलेज-स्कूलों में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए किया प्रेरित

तंबाकू के 40 खतरनाक द्रव्यों से होते हैं कैंसर रोग

नशामुक्त रहने की शपथ लेते छात्र।

■ **शिव आमंत्रण ।** **राउरकेला ।** हमीरपुर के सैंट पॉल स्कूल एवं मुंसीपल कॉलेज में आयोजित नशामुक्ति कार्यक्रम में बीके राजीव ने बताया, कि नशा जीवन में धीरे-धीरे विकसित होने वाली ऐसी बीमारी है जिसकी शुरुआत अक्सर भारत में 12 से 25 उम्र तक के बच्चों में पाई जाती है। भारत में सक्रिय धूम्रपान से प्रति वर्ष 12 लाख और निष्क्रिय धूम्रपान से 8 लाख मौतें होती हैं। प्रति दिन भारत में 5500 नए युवा पहली बार तम्बाकू का सेवन करना आरम्भ करते हैं। तम्बाकू एक धीमा जहर है जिसमे 4000 रासायनिक द्रव्य होते हैं, जिनमें से 40 खतरनाक द्रव्यों से कैंसर रोग होते हैं। उसमें निकोटिन, कीटनाशक, कार्बन मोनोऑक्साइड, कैडमियम, आर्सेनिक, मीथेन गैस, मेथेनॉल, एसीटोन आदि शामिल है। ओडिशा के राउरकेला में कोयलनगर सेवाकेन्द्र द्वारा ''मेरा भारत व्यसन मुक्त भारत'' की कड़ी में यह नशा निवारण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इन कार्यक्रमों के तहत नशा मुक्ति की विस्तृत जानकारी दी।

व्यस्त जीवन शैली में सकारात्मक रहना सिखाती है राजयोग साधना

ईश्वरीय सौगात स्वीकारते हुए मंत्री अशोकराव चौहान।

■ **शिव आमंत्रण ।** **देगलूर ।** महाराष्ट्र के देगलूर में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक बांधकाम मंत्री अशोकराव चौहान ने कहा, ब्रह्माकुमारीज द्वारा दी जानेवाली राजयोग साधना व्यस्त जीवन शैली में शांत और सकारात्मक रहने का सरल माध्यम है। ब्रह्माकुमारीज के व्यसन मुक्ति के जैसे सामाज कल्याण के उपक्रम बहुत ही उपयुक्त और सराहनीय है। मै स्वयं भी इस कार्यक्रम से प्रभावित हूं। स्थानीय सेवाकेंद्र पर आगमन के बाद उन्होने यह बात रखी। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मेनका एवं बीके विद्या ने तिलक एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत सत्कार किया। साथ ही ईश्वरीय सौगात देकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर विधायक बसवराज पाटिल, नांदेड जिला कॉपरेटिव बैंक के अध्यक्ष वसंतराव चौहान, पूर्व विधायक गंगाराम सौदागर मौजूद रहे।

सोच पर ध्यान देने से जीवन की समस्याएं होंगी समाप्त

अधिकारीयों एवं कर्मचारियों के साथ बीके ज्योति।

■ **शिव आमंत्रण ।** **ग्वालियर (मप्र)।** जेवी मंघाराम फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में सभी अधिकारीयों एवं कर्मचारियों के लिए पॉजिटिव एटीट्युड एंड वर्क सेटिसफैक्शन विषय के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके ज्योति, राजयोग शिक्षिका बीके भावना एवं बीके जीतू ने कार्यक्रम में उपस्थित सभा को संबोधित करते हुए बताया, की जैसा सोचोगे वैसे ही बन जाओगे। इसलिए हम क्या सोच रहे है और सामनेवाले को हमें क्या बोलना है इस पर ध्यान देंगे तो जीवन की बहुत सारी समस्याएं स्वतः ही खत्म हो जायेंगी। अंत में सभी को राजयोग अभ्यास कराया गया साथ ही सेवाकेंद्र पर आकर सात दिवसीय राजयोग कोर्स करने के लिए भी आमंत्रित किया गया।

संत समारोह — कुशलनगर भवन के उद्घाटन पर शांतावीर स्वामी के विचार

समाज को सशक्त बना रही है ब्रह्माकुमारीज़

जीवन में आध्यात्मिक ज्ञान के महत्व को उजागर कर एकाग्रता के स्तर में वृद्धि करना

■ **शिव आमंत्रण ।** **कुशलनगर।** कर्नाटक के कुशलनगर में ईश्वरीय सेवाओं की वृद्धि एवं जन जन तक परमात्म सन्देश देने के लिए ज्ञान दर्शन भवन बनकर तैयार हो गया है।

भवन के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अरामेरी मठ के श्री श्री शांतावीर स्वामीजी ने अपने संबोधन में कहा, कि ब्रह्माकुमारी संस्था जीवन में आध्यात्मिक ज्ञान के महत्व को उजागर कर एकाग्रता के स्तर में वृद्धि, सोच के पाठ्यक्रम को बदलने और सही निर्णय लेने के लिए सभी को सशक्त बना रही है। कार्यक्रम में मुख्यालय माउंट आबू से संस्था के मीडिया प्रमुख बीके करुणा, सीए बीके ललित, विधायक अप्पाचुरंजन, उद्योगपति भाइयों सतप्पन और विश्वनाथन के साथ डाइट के प्रिंसिपल डीबी सुरेश भी मुख्य रूप से शामिल हुए।

नये भवन के उद्घाटन पर शिव ध्वज फहराते हुए अरामेरी मठ के श्री श्री शांतावीर स्वामीजी तथा अन्य।

भवन का उद्घाटन सभी अतिथियों द्वारा विधिवत् शिव ध्वजारोहण के साथ दीप जलाकर, रिबन काटकर एवं सभी बीके सदस्यों की उपस्थिति में कुछ क्षण मेडिटेशन रूम में ध्यान कर सम्पन्न हुआ जिसके उपरांत सभी अतिथियों का मैसूर सबजोन प्रभारी बीके लक्ष्मी द्वारा ईश्वरीय सौगात भेट कर स्वागत सत्कार किया गया।

मुख्यमंत्री को दिया मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण-

गुजरात के मुख्यमंत्री से राजयोग पर की चर्चा

नये मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से मुलाकात कर ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए बीके बहने।

■ **शिव आमंत्रण। गांधीनगर।** गुजरात के गांधीनगर में सेक्टर 28 सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कैलाश की अगुवाई में बीके बहनों ने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से मुलाकात कर बधाई दी तथा ईश्वरीय सौगात भेंटकर माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया। इसके साथ ही सभी मंत्रियों से मुलाकात कर उन्हें पुष्पगुच्छ, शुभेच्छा पत्र, गाड्ली गिफ्ट, लिटरेचर एवं प्रभु प्रसाद देकर उनका अभिवादन किया। आगे रूरल डेवलपमेंट एवं रूरल हाऊसिंग के मिनिस्टर अर्जुनसिंह चौहान, एजुकेशन साइंस एवं टेक्नोलॉजी के मिनिस्टर जितुभाई वघानी, फाइनेंस एनर्जी पेट्रोकेमिकल्स मिनिस्टर कानुभाई देसाई, कंज्यूमर प्रोटेक्शन मिनिस्टर नरेश पटेल से बीके बहनों ने मुलाकात की। ऐसे ही रोड एवं बिल्डिंग ट्रासपोर्ट सिविल एविएशन मिनिस्टर पुर्नेश मोदी, एग्रीकल्चर एनिमल हसबेंडरी काऊ ब्रीडिंग मिनिस्टर राघवजी पटेल एवं होम एंड पुलिस स्पोर्ट्स् यूथ सर्विसेज स्टेट मिनिस्टर हर्ष सांघवी से भी बीके बहनों ने स्नेहभरी मुलाकात कर मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया।

ब्रह्माकुमारीज़ की दुनिया ओम से शुरू हुई और ओम में ही समाई है

नये सेवाकेंद्र का भूमीपूजन करते हुए पूर्व सांसद प्रभु दयाल कठेरिया एवं अन्य अतिथि।

■ **शिव आमंत्रण। आगरा।** उत्तर प्रदेश के आगरा स्थित न्यू सुरक्षा विहार में नए सेवाकेंद्र का भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस स्थान पर आध्यात्मिक राह दिखाने वाले पथ प्रदर्शक सेवाकेंद्र की नीव स्थानीय सेवाकेंद्र से बीके संगीता, बीके मधु समेत अन्य बीके सदस्यों की उपस्थिती में राखी गयी। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद प्रभु दयाल कठेरिया ने शिरकत की एवं विधिविधान के साथ भूमि पूजन का कार्य सम्पन्न हुआ। इस मौके पर प्रभु दयाल कठेरिया ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज एक बहुत अच्छी संस्था है। ये ईश्वरीय ज्ञान देकर हमे जीवन में आने वाली परिस्थितियों से कैसे समरस और संयम रखकर आगे चले ये सिखाती है। ये दुनिया ओम से शुरू है और ओम में ही समाई हुई है। इस कार्यक्रम में आए सैकड़ों लोगों ने भवन के निर्माण हेतु अपनी शुभकामनाएं दी।

जो कार्य सरकार को करना चाहिए वह कर रही है ब्रह्माकुमारी संस्था

सुन्नी सेवाकेन्द्र के तीसरे वार्षिकोत्सव पर शिवध्वज फहराते हुए अतिथि।

■ **शिव आमंत्रण। सुन्नी (हिमाचल प्रदेश)।** सुन्नी सेवाकेन्द्र के तीसरे वार्षिकोत्सव पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ ने संदेश भेजकर बधाई दी। अहमदाबाद-गुजरात से बीके नेहा, माउंट आबू से वरिष्ठ राजयोगी बीके प्रकाश, बीके गोपी तथा सुन्नी उप सेवा केंद्र की बीके शकुंतला समेत कई लोगों की उपस्थिति में मनाया गया। भाजपा के कार्यकारी सदस्य डाक्टर प्रमोद शर्मा ने कहा कि जो कार्य सरकार को करना चाहिए वह ब्रह्माकुमारीज संस्थान कर रही है। इस दौरान बीके राकेश, शिमला से बीके रजनी, अपरा फिलोर से बीके ज्योति, अहमदाबाद से बीके नंदा, जालंधर से बीके तृप्ती, बीके मनीषा मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

सुपर कम्प्यूटर 'परम' के निर्माता डॉ. विजय ने सीखा राजयोग

केक काटते हुए विजय भाटकर एवं उपस्थित बीके परिवार।

■ **शिव आमंत्रण। अमरावती।** आईटी लीडर के नाम से प्रख्यात वैज्ञानिक, भारत के पहले सुपर कम्प्यूटर परम के निर्माता डॉ. विजय भाटकर ने हाल ही में महाराष्ट्र के अमरावती स्थित ब्रह्माकुमारीज के लोटस हाउस सेण्टर का अवलोकन किया। साथ ही राजयोग ध्यान का महत्व समझते हुए उन्होंने अपने जीवन में इसे अपनाने का संकल्प लिया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके दुर्गा, बीके शुभांगी, बीके ज्योति ने आध्यात्मिक ज्ञान चर्चा की। इस दौरान पत्रकारों समेत कई बीके सदस्य उपस्थित रहे। बता दें कि विजय पाण्डुरंग भाटकर भारत के एक संगणक वैज्ञानिक, सूचना प्रौद्योगिकी के नेतृत्वकर्ता तथा शिक्षाविद हैं। वे भारत के परम नामक सुपर कम्प्यूटर के विकास का नेतृत्व करने के लिए जाने जाते हैं। उन्हें भारत सरकार ने पद्मभूषण तथा पद्मश्री किताब प्रदान किया है जबकि महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें महाराष्ट्र भूषण से सम्मानित किया है।

बरमकेला सेवाकेंद्र:रैली से दिया स्वच्छता का संदेश

■ **शिव आमंत्रण। बरमकेला, छग।** बरमकेला सेवाकेंद्र द्वारा इंदिरा गली से बसस्टैंड तक रैली निकाली गई तथा लोंगों को रास्तेपर झाडू लगाकर स्वच्छता संदेश दिया। बरमकेला सेवाकेंद्र द्वारा गांव के सफाई कर्मियों का फूलमाला, श्रीफल, प्रसाद एवं ईश्वरीय सौगात के साथ सम्मान किया। सफाई कर्मियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में बताते हुए बीके सुनैना ने कहा, कि घर, गली, मोहल्ला, रोड की सफाई के साथ-साथ मन की सफाई भी जरूरी है। गंदगी सबसे पहले मन से शुरू होती है और मन की सफाई का एक ही स्रोत है सहज राजयोग। यह विधि सीखने के लिए बरमकेला सेवाकेंद्र में आने के लिए सबको उन्होने आमंत्रित किया। साथ ही नगर पंचायत अध्यक्ष हेम सागर नायक, उपाध्यक्ष

रामकुमार नायक द्वारा सभी सफाई कर्मियों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट कार्य करनेवाले दो सफाई कर्मियों को प्रोत्साहन हेतु नगर पंचायत द्वारा तीन-तीन हजार रु. का चेक देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नगर पंचायत के अध्यक्ष हेम सागर नायक, उपाध्यक्ष रामकुमार नायक एवं बीके भाई-बहन, पार्षद गण, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मेयर को दिया ईश्वरीय संदेश

■ **शिव आमंत्रण। अंबाला।** हरियाणा के अंबाला सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित नवरात्रि के कार्यक्रम में मेयर श्रीमति शक्ति रानी नवरात्रि झांकी का उदघाटन करने के पश्चात बीके आशा से ईश्वरीय सौगात लेते हुए ।

मंदिर पुजारियों से राजयोग मेडिटेशन पर की चर्चा

■ **शिव आमंत्रण। ढिगावा मंडी:** हरियाणा के प्रसिद्ध पहाड़ी माता मंदिर के नवरात्री मेले में एक कार्यक्रम के दौरान मंदिर के पुजारियों को ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए बीके शकुंतला, बीके पूनम एवं बीके मीनू।

सैदपुरक शाखा **उद्घाटन** पर बीके निर्मला के विचार-

शक्तियों का जागरण ही संस्था का लक्ष्य

■ **शिव आमंत्रण । गाजीपुर (उप्र)।** विश्व शान्ति एवं सद्भावना के क्षेत्र में वैश्विक मान्यता एवं अपनी अलग पहचान बनाने वाली ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा उत्तर प्रदेश के गाजीपुर स्थित सैदपुरक में नई शाखा का उद्घाटन सम्पन्न हुआ। सभा को सम्बोधित करते हुए गाजीपुर प्रभारी बीके निर्मला ने बताया कि जीवन में आध्यात्मिक जागृति द्वारा अन्तर्निहित आत्मिक शक्तियों को जागृत कर मानव को मानवता के सर्वोच्च स्वरूप तक पहुंचाना ही संस्था का लक्ष्य एवं उद्देश्य है। नए भवन का विधिवत् उद्घाटन दीप प्रज्वलन, केक काटकर, शिव ध्वजारोहण कर सभी बीके सदस्यों की उपस्थित में किया गया। कार्यक्रम में युवा शक्ति संगठन के प्रमुख सुनिल यादव, सैदपुर की महिला समाजसेवी सिता सिंह, ब्लाक प्रमुख हिरालाल यादव, देवकली के ब्लाक प्रमुख उपेन्द्र सिंह यादव समेत कई गणमान्य उपस्थित लोगों ने भवन के प्रति अपनी शुभकामनाएं दीं।

युवा शक्ति संगठन के प्रमुख सुनील यादव तथा अन्य नई शाखा का उद्घाटन करते हुए।

युगलों का किया गया सम्मान

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

■ **शिव आमंत्रण । उदयपुर।** राजस्थान के उदयपुर में 25 युगलों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर ब्रह्माकुमारीज कि संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके डॉ. निर्मला, राजस्थान सबजोन प्रभारी बीके पूनम, महाराजकुमार लक्ष्यराज सिंह जी मेवाड़, मेवाड़ महामंडलेश्वर रास बिहारी शरण और आयुर्वेदिक कॉलेज के प्रिंसिपल दीक्षित के हाथों सभी का सम्मान एवम स्वागत उदयपुर सेवाकेंद्र की संचालिका बीके रीटा एवं अतिथियों के हाथों किया गया।

परमात्म अवतरण होते ही शुरू होता है आसुरी वृत्तियों का विनाश

पुलिस सब इन्स्पेक्टर को इश्वरीय सौगाद देते हुए बीके बबीता।

■ **शिव आमंत्रण । भरतपुर।** राजस्थान के रूपवास में भव्य रूप से नवरात्री का त्यौहार मनाया गया। विनायक कॉलोनी रूपवास स्थित सेवा केंद्र पर चैतन्य नौ देवियों की झांकियों का भव्य आयोजन किया गया। बीके बबीता ने चैतन्य नौ देवियों का आध्यात्मिक रहस्य स्पष्ट करते हुए कहां, जब सृष्टि पर अत्याचार, भ्रष्टाचार, आसुरी वृत्तियों का, बुराइयों का चारों तरफ हाहाकार होने लगता है तब निराकार परमात्मा परम ज्योति शक्ति रूप से दैवी ज्योति का प्रदुर्भाव हुआ जिससे संसार से आसुरी वृत्तियों और विकारों का नाश होकर पुनः दैवी समाज, दैवी गुणों से युक्त मानव हृदय का निर्माण हो रहा है। उन्ही दिव्य गुण और दिव्य शक्तियों से नई दुनिया सतोप्रधान दुनिया की स्थापना हुई जिस की यादगार में हर वर्ष दैवी माँ की अखंड ज्योति जगा कर जागरण करते हैं। व्रत, पूजा, दर्शन कर पुनः स्वयं में जागृती लाते हैं। घर घर में घट स्थापन करते हैं, हृदय में परमात्मा प्रीत को स्थापित कर श्रेष्ठ कर्मों के बीज बो कर आत्मा का परमात्मा से मिलन कर जीवन सुख शांति से भरपूर करते हैं। पुलिस सब इन्स्पेक्टर जयप्रकाश ने कहा, चैतन्य देवियों को देखकर मैने शक्ति का अनुभव किया। मैं अपने को भाग्यशाली समझता हूं। सरपंच श्री. वीर बहादुर ने कहा, हमारे भारतवर्ष में इस शक्ति रूप की महिमा की जाती है और आज मैं यहां पर उसका अनुभव कर रहा हूं। बालिका कु. तनु ने नृत्य प्रस्तुत किया।

स्वस्थ जीवन प्रणाली के लिए दिनचर्या में अपनाएं राजयोग

सभा को संबोधित करते बीके डॉ. मोहित दयाल गुप्ता।

■ **शिव आमंत्रण । बीकानेर।** राजस्थान के बीकानेर के सार्दुल गंज सेवाकेन्द्र पर स्वस्थ जीवन प्रणाली पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली जी. बी. पंत अस्पताल के प्रोफेसर व देश-विदेश में विख्यात हृदयरोग विशेषज्ञ, बीके डॉ. मोहित दयाल गुप्ता ने कहा, कि प्रतिदिन की दिनचर्या में ज्ञान योग और राजयोग का अभ्यास करें, किसी का दिल ना दुखाये, दरअसल डॉ. गुप्ता सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के किसी कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए एक दिवसीय बीकानेर यात्रा पर आएं थे। ब्रह्माकुमारीज संस्था बीकानेर की क्षेत्रीय केन्द्र प्रभारी बीके कमल ने कहा, कि यदि सम्पूर्ण स्वस्थ रहना है तो जीवन में संतुलन होना जरुरी है। इसके साथ ही आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग ध्यान को जीवन में अपनाना जरुरी है। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक, चिकित्सक, शिक्षा विद, एडवोकेट मौजूद रहे।

बीके डॉ. मोहित दयाल गुप्ता का संबोधन

हम दूसरों के लिए उदाहरण बन जाएं

सभा को संबोधित करते हुए बीके पीयूष।

■ **शिव आमंत्रण । नई दिल्ली।** भारत सरकार का प्रतिष्ठान नई दिल्ली के टेलीकम्युनिकेशन कन्सलटेंट्स इंडिया लिमिटेड (टीसीआईएल) के राष्ट्रीय कार्यालय में लीडरशिप क्वालिटीज विषय पर आयोजित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बीके पीयूष ने बताया, कि हमें कुछ नया करने की आवश्यकता है। हम ऐसा करें जो दूसरों के लिए उदाहरण बन जाए। प्रातः शीघ्र उठना, रात्रि जल्दी सो जाना एवं दिन में कई बार मेडीटेशन का अभ्यास करने से हमारे अंदर लीडरशिप योग्यताएं विकसित होती हैं। सबेरे उठकर कुछ समय के लिए मौन रखने से बुद्धि का विकास होता है। सहन करने की शक्ति, सामना करने की शक्ति, विस्तार को संकीर्ण करने की शक्ति, निर्णय शक्ति आदि शक्तियां आने से हमारे व्यक्तित्व में निखार आता है और हम विपरीत परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखते हैं। लोधी रोड सेवाकेंद्र प्रभारी बीके गिरिजा ने संस्थान की पूर्व प्रमुख दादी जानकी का उदाहरण देते हुए बताया, कि कैसे छोटी छोटी बातों को ध्यान में लाने से हम जीवन में बड़े बदलाव ला सकते हैं। तत्पश्चात कमेंट्री द्वारा गहन राजयोग का अभ्यास कराया गया। टीसीआईएल, नई दिल्ली के सीएमडी श्री. संजीव कुमार ने ब्रह्माकुमारीज़ की मुक्त कंठ से महिमा करते हुए कहा, कि आज ऐसे संस्थानों की समाज को नई दिशा देने में महती भूमिका है। मानसिक संतुलन अत्यंत आवश्यक है। मेडिटेशन आज की सभी समस्याओं से मुक्त होने की कुंजी है।

चैतन्य नौ देवियों की लगाई झांकी

■ **शिव आमंत्रण । गुमला।** झारखण्ड के गुमला में नवरात्री पर लोहरदगा क्षेत्र के सांसद सुदर्शन भगत,भाजपा के कार्यकारी सदस्य सविंदर सिंह जी एवं भाजपा नेत्री शकुंतला देवी, भूतपूर्व सैनिक कल्याण संघ अध्यक्ष सह्देव महतो उपस्थित रहे। अवसर पर प्रभारी बीके शांता ने सभी नगर वासियों को इन रहस्यों को जानने के लिए संस्थान की स्थानीय शाखा पर आने का आमंत्रण दिया।

सम्मान समारोह » बसवा विश्वविद्यालय के लिए शिक्षा में मूल्य पर कार्यशाला

ब्रह्माकुमारीज़ है इस धरती का स्वर्गः डॉ. दाक्षायिणी

■ **शिव आमंत्रण । गुलबर्गा।** कर्नाटक के गुलबर्गा स्थित बसवा विश्वविद्यालय के व्याख्याताओं तथा प्राध्यापकों के लिए शिक्षा में मूल्य विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के गुलबर्गा सेवाकेन्द्र पर आयोजित इस कार्यशाला में शरणबसव विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. निरंजन निस्ती, ब्रह्माकुमारीज संस्थान के समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके प्रेम, शरणबसवेश्वर संघ की अध्यक्ष मातोश्री डॉ. दाक्षायिणी एस. अप्पा, सबजोन प्रभारी बीके विजय समेत करीबन चार सौ लोग शामिल हुए। वर्तमान समय में शिक्षा से समाप्त होते संस्कारों के पुर्नस्थापना के लिए शिक्षा में मूल्य विषय पर आयोजित सम्मेलन का दीप जलाकर उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में आये अतिथियों ने कहा, कि वर्तमान समय मूल्य अति आवश्यक है। इससे ही हम समाज को एक बेहतर समाज बना सकते है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान का योगदान अतुलनीय है। डॉ. दाक्षायिणी ने सम्पूर्ण कॅम्पस का अवलोकन किया और कहा, यह तो इस धरती पर स्वर्ग ही है।

ईश्वरीय सौगाद स्वीकारते हुए संत शरणबसवप्पा की युगल डॉ. दाक्षायिणी तथा अन्य अतिथि।

हरियाणा के निस्सिंग सेवाकेंद्र से अनेकों लोगों का बदला जीवन

ईश्वरीय सेवाओं के 32 साल पूरे होने पर निकाली शोभायात्रा

भव्य शोभा यात्रा में शामिल भाई -बहनें।

संयमित जीवन जी रहे भाई-बहनों का किया सम्मान

■ शिव आमंत्रण ▮ निस्सिंग। हरियाणा में निस्सिंग सेवाकेंद्र द्वारा आध्यात्मिक प्रचार प्रसार कर हजारों लोगों को पथ प्रदर्शित करते हुए सेवाकेंद्र के 32 वर्ष हो गए है। इस अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम मल्ली गार्डन निसिंग में रखा गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से निस्सिंग सेवाकेंद्र के 32 वर्ष पूर्ण होने, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मल के 35 वर्ष की सेवाओं की उपलब्धि और सेवाकेंद्र से जुड़े भाई बहनों को ईश्वरीय सेवा में 25 वर्ष से ऊपर हो गए है उनके लिए सिल्वर जुबली व सम्मान समारोह का प्रोग्राम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंजाब जोन की इंचार्ज बीके प्रेम भी पहुंची।

इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सोनालाक पेंट्स लिमिटेड के एमडी राधे श्याम गर्ग एवं किरण गर्ग, नेशनल डेरी रिसर्च इंस्टिट्यूट के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. अवतार सिंह, अमरनाथ सेवा मण्डल निसिंग के प्रधान सतीश गोयल रहे तो कैथल सबजोन प्रभारी बीके पुष्पा, करनाल सैक्टर 7 सेवाकेंद्र प्रभारी बीके प्रेम, करनाल सन्त नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके लक्ष्मी, ज्ञान मान सरोवर पानीपत के डायरेक्टर बीके भारत भूषण व आस पास के सभी बीके सेवाकेंद्रों से बीके बहने एवं भाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आरम्भ में पुरानी अनाज मंडी निसिंग से मल्ली गार्डन तक एक विशाल व भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जब यह शोभा यात्रा गुरूद्वारा रोड़ी साहब पहुंची तो गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सरोपे डाल कर बहनों का सम्मान किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतिया दी गयी तो वही सभी अतिथियों एवं बीके बहनों का स्वागत सत्कार भी किया गया।

पंजाब के उप मुख्यमंत्री को दिया राजयोग मेडिटेशन का संदेश

डिप्टी चीफ मिनिस्टर सुखबीर सिंह बादल को ईश्वरीय सौगात देती हुई बीके मीनाक्षी।

■ शिव आमंत्रण ▮ लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में पंजाब के डिप्टी चीफ मिनिस्टर एवं शिरोमणि अकाली दल पार्टी के प्रेसिडेंट सुखबीर सिंह बादल से स्थानीय सेवाकेंद्र से राजयोग शिक्षिका बीके मीनाक्षी, बीके हैप्पी एवं बीके उषा ने मुलाकात कर उन्हें ईश्वरीय सन्देश दिया। साथ ही संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया।

राजयोग अपनाकर जीवन को दिव्य गुणों और शक्तियों से करें भरपूर

कमांडेंट राहुल कुमार को ईश्वरीय सौगात देते हुए बीके सुदर्शन।

■ शिव आमंत्रण ▮ जम्मू। जम्मू के बीसीरोड सेवाकेंद्र द्वारा सुसाइड प्रिवेंशन एंड स्ट्रेस रिडक्शन विषय पर सीआईएसएफ के जवानों के लिए उनके कार्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कमांडेंट राहुल कुमार इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। लेह लद्दाख में ब्रह्माकुमारीज की प्रभारी बीके सुदर्शन ने सदैव सकारात्मक विचारों का ही स्मरण करने आह्वान इस मौके पर किया और अंत में राजयोग को जीवन शैली में अपना कर अपना जीवन दिव्य गुण और शक्तियों से भरपूर करने की भी प्रेरणा दी।

ज्ञान और शांति से मन को हरा-भरा और संपन बनाओ

ज्ञानशिखर में नवनिर्मित डिवाईन विजडम स्प्रीचुअल आर्ट गैलरी का अवलोकन करते हुए मुनिश्री कमल कुमार।

■ शिव आमंत्रण ▮ इंदौर। इंसान के मन में अशांति ही सब बातों का कारण है। स्वस्थ पर्यावरण के लिए पेड़ पौधे लगाकर हरियाली लाने के साथ-साथ ज्ञान और शांति से मन को हरा भरा सम्पन्न बनाओ तो पर्यावरण के साथ मन से भी प्रदूषण मिटेगा और स्वस्थ्य पर्यावरण का निर्माण होगा। इंसान पहले इंसान है बाद में हिन्दू-मुस्लमान। यह विचार रखे आचार्य महाश्रमण के आज्ञानुवर्ती जैन मुनि श्री कमल कुमार ने इंदौर के ज्ञानशिखर में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आप शांत हो जाओ, समस्या अपने आप मिट जाएगी। मैं मानवता और इन्सानियत की बात करता हुं और जहां मानवता होगी वहां सब निकट आ जाएंगे। इंदौर जोन की मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक बीके हेमलता ने कहा कि आत्म ज्ञान को भूल कर देह के भान में आने से हमारे मन में विकारों के विचार आ जाते हैं, इसलिए पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए मन को शुद्ध सात्विक विचारों से सम्पन्न बनाना होगा। कालानी नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके जयंती, प्रेमनगर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके शशि ने भी संबोधित किया। अणुव्रत समिति इंदौर के अध्यक्ष नीलेश पोखरना व मंत्री मनीष कठोतिया तथा ब्रह्माकुमारी संस्था एवं जैन समाज के सदस्य उपस्थित रहे। मुनिश्री ने डिवाइन विजडम स्प्रीचुअल आर्ट गैलरी का अवलोकन किया।

परमात्म याद से जितनी चाहो अपनी भाग्य की रेखा खींच लो

■ शिव आमंत्रण ▮ जंदाहा-वैशाली। ब्रह्माकुमारीज की ओर से बिहार के जंदाहा-वैशाली में दशहरा के अवसर पर चैतन्य देवियों की झांकी निकाली गई इस कार्यक्रम का उद्घाटन करने जंदाहा थाना के प्रभारी और विमल प्लाजा कैंपस के मालिक और जंदाहा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके खुशबू उपस्थित रहे। जंदाहा थाना के प्रभारी ने बताया संस्था समाज की उन्नति के लिए बहुत अच्छे कार्य कर रही हैं। विमल प्लाजा कैंपस के मालिक ने बताया कि यह चैतन्य देवियों की झांकी को देखकर आज सच में हमें साक्षात देवियों के दर्शन होने का अनुभव हो रहा है। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके खुशबू ने बताया, कि परमात्मा इस सृष्टि पर आ चुके हैं और आप हमारे सेवा केंद्र पर आ कर परमात्मा का सही परिचय प्राप्त करो और अपने जीवन की भाग्य रेखा जीतनी चाहो खींच लो।

चैतन्य देवियों की झांकी कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम पर उपस्थित अतिथि।

चैतन्य देवियों की मनमोहक झांकी सजाई

■ शिव आमंत्रण ▮ इस्लामपुर-महाराष्ट्र।

नवरात्रि के उपलक्ष में सेवाकेंद्र पर उपस्थित चैतन्य देवियां।

जबलपुर के कार्यक्रम में बताए स्वास्थ्य के विविध उपाय...

कैंसर का कारण है अव्यवस्थित जीवन प्रणाली और तनावयुक्त जीवनशैली

दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

■ शिव आमंत्रण

जबलपुर (मप्र)। अव्यवस्थित जीवन प्रणाली एवं तनाव युक्त जीवनशैली के कारण कैंसर रोग जनमानस में बढ़ता ही जा रहा है। इसी की जागरूकता के लिए मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित नापिएर टाउन सेवाकेंद्र द्वारा शिव स्मृति भवन में स्त्रीरोग विशेषज्ञ संघ, इंडियन मेनोपॉज सोसाइटी एवं संस्था के संयुक्त तत्वाधान में विशेष महिलाओं के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कैंसर रोग सर्जन डॉ. प्रीति जैन ने स्तन कैंसर के जांच के लिये प्रत्येक मास में एक निश्चित दिन स्व परीक्षण स्वयं करने की विधि बतलाई। डॉ. अर्चना श्रीवास्तव ने गर्भाशय के कैंसर के बारे में पॅप स्मिअर एवं एच.पी.वी. वैक्सीन की जानकारी दी। डॉ. सोनल साहनी ने गर्भाशय के मुख के कैंसर को कैसे कम किया जाये एवं प्रारंभिक अवस्था में क्या जांच की जाये इस संबंध में जानकारी दी। मेडिकल कॉलेज के डॉ. श्यामजी रावत ने मेडिटेशन के लाभ के बारे में कहा। बीके वर्षा ने मेडिटशन का अभ्यास कराया। डॉ. पुष्पा पांडे एवं डॉ. निधि जैन ने कार्यक्रम का संचालन किया। मेडिकल कॉलेज की पूर्व डीन डॉ. शशि खरे, डॉ. गीता गुइन, डॉ. चित्रा जैन, डॉ. रिचा बहरानी, डॉ.अलका अग्रवाल, एल्विन की पूर्व अधीक्षक डॉ. निशा साहू , डॉ. स्वराज नायक, डॉ. संगीता श्रीवास्तव, डॉ. नीना श्रीवास्तव ने इस कार्यक्रम में अपने विचार रखे। बीके भावना ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थित रही।

स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ व स्वच्छ समाज का निर्माण कर सकता है

नाडी जांच करते हुए आयुर्वेदाचार्य जतिंदर कुमार, बीके वसुधा एवं अन्य।

■ शिव आमंत्रण ▮ **कादमा।** हरियाणा के कादमा में उत्तरी क्षेत्र की निदेशक रही अचल दीदी के सातवें स्मृति दिवस पर निःशुल्क नाड़ी जांच शिविर तथा दिव्य प्रवचनमाला का स्थानीय सेवाकेंद्र पर आयोजन हुआ। इस अवसर पर आयुर्वेदाचार्य जतिंदर कुमार ने कहा, कि नाड़ी शरीर में सही काम कर रही हैं तो हम स्वस्थ हैं। एक स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ व स्वच्छ समाज का निर्माण कर सकता है। उन्होंने कहा, कि हमारा शरीर नाड़ी प्रणाली से ही बंधा व जुड़ा हुआ है इसलिए अगर हम स्वस्थ रहना चाहते हैं तो सात्विक, योगिक व आयुर्वेदिक जीवन पद्धति को अपनाना होगा। डॉ. जतिंद्र ने लोगों को शारीरिक योग के साथ-साथ आयुर्वेदिक दवाओं व खानपान से स्वस्थ रहने के तरीके बताए जिससे हम अपने मानसिक, शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रख सकते हैं तभी हम एक स्वस्थ समाज की कल्पना कर सकते हैं। शिविर का उद्घाटन करते हुए कादमा क्षेत्र प्रभारी बीके वसुधा ने कहा, कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क वास करता है। योगी व आयुर्वेदिक जीवन शैली से ही हम भारत को पुनः विश्व गुरु बना सकते हैं। अपनी दिनचर्या में राजयोग को शामिल कर जीवन को तनाव मुक्त, आनंदमय बना सकते है। इस अवसर पर उपस्थित सभी भाई बहनों ने अचल दीदी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। शिविर में 120 लोगों का नाड़ी जांच से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

शिव ज्ञान दर्शन भवन बनेगा आध्यात्मिक उन्नति का केन्द्र

नये शिव ज्ञान दर्शन भवन का उद्घाटन करते हुए सुत्तुर मठ के शिवरात्रि स्वामी तथा अन्य अतिथि।

■ शिव आमंत्रण ▮ **मैसूर।** मैसूर के टी नरसीपुर में नवनिर्मित शिव ज्ञान दर्शन भवन का उद्घाटन सुत्तुर मठ के शिवरात्रि स्वामी, ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करुणा, सीए बीके ललित, मैसूर सबजोन प्रभारी बीक लक्ष्मी समेत कई विशिष्ट लोगों के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर शिवरात्रि स्वामी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान लोगों में राजयोग ध्यान से आध्यात्मिक उर्जा का संचार कर रही है। यह भवन निश्चित तौर पर आध्यात्मिक उन्नति का केन्द्र बनेगा। लोगों के कल्याण के लिए बना बहुमंजिला सेवाकेन्द्र के उद्घाटन पर संत समाज से लेकर सभी वर्गों के लोगों की उपस्थिति के बीच आध्यात्मिक वातावरण में जयघोष से पूरा माहौल अध्यात्ममय हो गया। राजयोग साधना के बीच भक्ति भाव की भी सरिता बह उठी।

संतों ने यह उम्मीद जताई कि निश्चित तौर पर इस भवन से लोगों के जीवन में बदलाव आयेगा। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करुणा समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त कर शुभकामनाएं दी। आयोजित समारोह में मैसूर जोन की प्रभारी बीके लक्ष्मी ने सभी को शुभकामनाएं दी तथा उपस्थित अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंटकर सम्मानित किया।

बीएसएफ कैंप में 80 लोगों ने लिया राजयोग का लाभ

■ शिव आमंत्रण ▮ **कोहिमा।** नागालैंड के कोहिमा स्थित बीएसएफ कैंप में विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के उपलक्ष में एक कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम का 50 से 75 के बीच की आयु के करीबन 80 लोगों ने लाभ लिया। स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रूपा ने तन के साथ मन को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम के साथ राजयोग को जीवनशैली में धारण करने का आह्वान किया तो वही बीके डॉ. मेरी ने सायकोथेरेपी ट्रीटमेंट और बीके भंजराम ने सूर्यनमस्कार करने के कई लाभ समझाए ।

राजयोग के लाभ बताते हुए बीके रूपा। उनके साथ बीके डॉ. मेरी और बीके भंजराम तथा शारीरिक एक्सरसाइज करते हुए वरिष्ठ नागरिक।

मानसिक स्वास्थ्य व नशामुक्ति के लिए राजयोग है रामबाण

कोरबा स्वास्थ्य शिविर में महापौर राजकिशोर के विचार

■ शिव आमंत्रण ▮ **कोरबा** ▮ छत्तीसगढ़ के कोरबा में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आंतरिक शांति अनुभूति केन्द्र में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं परिचर्चा का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि नगर निगम महापौर राजकिशोर प्रसाद ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य व नशा मुक्ति के लिये राजयोग रामबाण है। यह सभी औषधियों के ऊपर हैं। मैं भी राजयोग से लाभान्वित हूँ।

कोरबा क्षेत्र को व्यसन मुक्त एवं खुशहाल बनाने के लिये संस्था और नगर पालिका निगम के संयुक्त प्रयास से कार्य योजना बनायेंगे, जिसे फलीभूत करने के लिये मेरा सम्पूर्ण प्रयास रहेगा। अक्षय

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते अतिथि।

हॉस्पिटल, कोरबा के डॉ. के. सी. देबनाथ ने कहा मानसिक बीमारी 90 प्रतिशत से अधिक बढ़ चुकी है, जोकि एक ज्वलन्त समस्या है।

चिकित्सक और उनके द्वारा दिये गये परामर्श से सम्पूर्ण मानसिक स्वास्थ्य सम्भव नहीं है। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रुक्मिणी ने कहा, कि राजयोग तन और मन दोनों को स्वस्थ्य रखता है। दिनचर्या में यदि हम 15 मिनिट भी इसका अभ्यास करें तो बहुत लाभकारी होगा। मंच का संचालन शेखर राम ने किया तथा राजयोग का अभ्यास बीके बिन्दु ने करवाया।

वर्ल्ड हार्ट डे कार्यक्रम में डॉक्टरों की सलाह

व्यर्थ बातें दिल में नहीं रखो और जो ठेस पहुंचाएं उन्हें दिल से बाहर करो

सभा को संबोधित करते हुए बीके ममता। साथ में अतिथि डॉक्टर।

शिव आमंत्रण। मंडला। मध्य प्रदेश के मंडला सेवाकेंद्र द्वारा विश्व शांति भवन में हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल से बचने के लिए एवं स्वस्थ रहने के लिए जानकारी देने हेतु वर्ल्ड हार्ट डे कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें वरिष्ठ बाल विशेषज्ञ डॉ. प्रल्हाद छत्री, भूतपूर्व जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. हर्ष करमाहे, जनरल फिजिशियन डॉ मयंक प्रजापति ने समझाया कि कभी भी व्यर्थ की और जो बातें हमें ठेस पहुंचाए उन्हें दिल में नहीं बिठाना चाहिए और जो हमें पसंद नहीं उसे दिल से नहीं लगाना चाहिए। कार्यक्रम में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके ममता ने बताया की प्रभु के संग में चलते रहने से हर बीमारी, हर समस्या व परेशानी को पार कर सकते हैं। साथ ही जीवन में व्यायाम, सात्विक आहार को अपनाने की उन्होंने सभी से प्रतिज्ञा कराई।

सकारात्मक रहने से रोग रहते हैं दूर

आपका स्वास्थ्य आपके हाथों में कार्यक्रम में शामिल अतिथि।

मंदसौर के कार्यक्रम में डॉक्टरों की सलाह

शिव आमंत्रण । मंदसौर । मध्य प्रदेश के मंदसौर स्थित ब्रह्माकुमारीज के तलेरा विहार कॉलोनी सेवाकेंद्र के आत्म कल्याण भवन में आपका स्वास्थ्य आपके हाथों में विषय के तहत कार्यक्रम का आगाज किया गया जिसमे मुख्य अतिथियों में मंदसौर विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, स्थानीय सिविल हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. राठौर, महेश्वरी नर्सिंग होम से सर्जन डॉ. गोविन्द छापरवाल, चेलावत हॉस्पिटल से कार्डियोलोजीस्ट डॉ. शुभम चेलावत, कार्डियोलोजीस्ट डॉ. सुरेश जैन ने सभा में उपस्थित सभी लोगों को स्वस्थ रहने के टिप्स देने के साथ सदैव सकारात्मक रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में आगे संस्था के मेडिकल प्रभाग की जोनल कोर्डिनेटर एवं इंदौर के ओम शांति भवन से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके उषा ने विषय के अंतर्गत सभा को मार्गदर्शित किया साथ ही अपने खानपान पर ध्यान देने तथा शारीरिक व्यायाम एवं मानसिक तनाव को दूर करने के लिए ध्यान करने का आह्वान किया।

राजयोग से प्राप्त होती है संपूर्ण स्थिरता

सभा को संबोधित करते हुए बीके कुसुम।

शिव आमंत्रण । नरसिंहपुर । मध्यप्रदेश में नरसिंहपुर सेवाकेंद्र की झांकी का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संजय गुप्ता, एडीशनल एस.पी. सुनील शिवहरे एवं नरसिंहपुर सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके कुसुम ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। साक्षात् मां दुर्गा, माँ लक्ष्मी, माँ सरस्वती, मां उमा, मां वैष्णवी और साथ मे ब्रह्माकुमारी विराजमान है । झांकी अत्यंत मनोहारी, आकर्षक एवं जीवन्त हैं। झांकी का आध्यात्मिक रहस्य बीके कुसुम ने बताया, कि यह साक्षात् शिव से निकली हुई शिव शक्तियां, ब्रह्माकुमारी बहने हैं, जिन्होंने सतत राजयोग साधना के बल से तन एवं मन की स्थिरता की सिद्धि प्राप्त की हुई है। राजयोग के अभ्यास से स्थिरता की सिद्धि प्राप्त होती है अर्थात् पूर्ण एकाग्रता आती है । जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार शर्मा ने बताया, कि आज के समय मे 3-4 घंटे एकाग्रता के साथ बैठना और चेहरे से भी वह दिव्यता दिखाई देना बहुत मुश्किल है।

कैबिनेट मंत्री को ईश्वरीय सौगात प्रदान की

शिव आमंत्रण । सिंघपुरः मध्य प्रदेश के सिंहपुर सेवाकेंद्र पर नवरात्रि के चैतन्य झांकी के उद्घाटन कार्यक्रम में केबिनेट मंत्री ब्रजेंद्र प्रताप सिंग को ईश्वरीय सौगाद देते हुए पन्ना सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सीता।

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री से बीके बहनों की मुलाकात

स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे को ईश्वरीय सौगाद भेंट करते हुए बीके करीना, बीके प्रतिभा एवं बीके डॉ. दीपक हरके।

शिव आमंत्रण। मुंबई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे को उनके मलबार हिल स्थित निवास स्थान पर बीके करीना, बीके प्रतिभा और बीके डॉ. दीपक हरके ने मुलाकात की। बीके प्रतिभा ने महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे को संस्था द्वारा अंधेरी में हॉस्पिटल द्वारा कराई जाने वाली सेवाओं की जानकारी दी। बीके करीना ने उन्हे ईश्वरीय परिचय दिया और ईश्वरीय सौग़ात दी तथा संस्था की गतिविधियों से अवगत कराकर माउंट आबू आने का ईश्वरीय निमंत्रण दिया। श्री. टोपे ने निमंत्रण का स्वीकार किया और कहा कि वो जल्द ही माउंट आबू आयेंगे।

जितने श्रेष्ठ बोलों के बीज बोते हैं उतनी अंदर से निखरती है श्रेष्ठता

कार्यशाला में शामिल अतिथि।

दिव्य गुणों से श्रृंगार विषय पर बीके संताष के विचार

शिव आमंत्रण । पुणे। पुणे के पिसोली स्थित जगदम्बा भवन में समय की पुकार, दिव्य गुणों से श्रृंगार विषय के तहत कार्यशाला का आयोजन दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। जगदम्बा भवन की निदेशिका बीके सुनंदा के निर्देशन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। आपको बता दे की यह एक बारा मास का प्रोजेक्ट है जिसके अंतर्गत विविध कार्यक्रम पुरे वर्ष आयोजित किये जायेंगे। इस मौके पर संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके संतोष ने कहा, हमारे बोल ऐसे होने चाहिए जिससे सामनेवालों में चेतनता आ जावे, उमंग-उत्साह बढ़ जावे। वह तभी हो सकते है जब वह ज्ञानयुक्त हो। जैसा जैसा हम श्रेष्ठ बोल के बीज बोते है उतना उतना हमारे अंदर वह श्रेष्ठता आती जाती है। हमे उसके मीठे फल खाने को मिलते है। हम श्रेष्ठ बोल बोलते है तो उसका रिस्पान्स भी सामने से श्रेष्ठ ही मिलता है। इसीलिए शिव बाप ने हमारा वाणी के ऊपर बहुत ध्यान खिंचवाया है। वाणी से तुम कभी भी झूठ नहीं बोल सकते है क्योंकि तुम सत्य बाप के बच्चे है। सत्य बाप के होने के कारण तुम्हारे बोल में सदा सत्यता होनी चाहिए। बीके सुनंदा ने कहा कि ब्रह्माकुमार बनने के बाद व्यक्ति में अंदर-बाहर से अनेक बदलाव आते है। लेकिन हमारा लक्ष्य सिर्फ उतना ही नही। ब्राह्मण बनने के बाद फरिश्ता सो देवता बनना यह भी लक्ष्य है। शिव बाप गुप्त है लेकिन उसकी प्रत्यक्षता का आधार ही है दिव्य गुणों से भरा हुआ कर्म। इस दौरान बीके दशरथ ने भी संबोधित किया।

देवियों की झांकी से दिया संदेश

शिव आमंत्रण । रायपुर । छत्तीसगढ़ के रायपुर में सजी चैतन्य देवियों की झांकी का दीप जलाकर उद्घाटन करते हुए क्षेत्रीय निदेशिका बीके कमला, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके सविता एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. केसरीलाल वर्मा।

विश्व शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर के तीन वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम आयोजित

विश्व शांति सरोवर का तीसरा वर्धापन दिनी केक काटते हुए नागपुर सबजोन प्रभारी बीके रजनी एवं अन्य भाई-बहनें।

शिव आमंत्रण । नागपुर। नागपुर के जामठा स्थित विश्व शांति सरोवर ने विश्वकल्याण करते एवं सैकड़ों लोगों को आध्यात्मिकता का मार्ग प्रशस्त करते 3 वर्ष पूरे किए है, जिसका तीसरा वर्धापन दिवस वर्तमान कोविड त्रासदी को ध्यान में रखते हुए सिर्फ सेंटर निवासी भाई बहनों एवं सेवाकेंद्र से जुड़े लोगों के बीच मनाया गया। कार्यक्रम में नागपुर सबजोन प्रभारी बीके रजनी, वसंत नगर सेवाकेंद्र से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके मनीषा, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक बीके प्रकाश, रिट्रीट सेण्टर के टेकनिकल प्रोजेक्ट कंसलटेंट प्रकाश टटोले ने विभिन्न वर्गों की सेवायें सम्पन्न करने भविष्य के लिए इस रिट्रीट सेण्टर को अपनी शुभकामनाए दी साथ ही रिट्रीट सेण्टर की संकल्पना को साकार रूप देने वाली दिवंगत पुष्पारानी दीदी को भी सभी ने याद किया।

आपको बता दे की तीन साल पूर्व इस आध्यात्मिक वास्तु का विधिवत उद्घाटन ब्रह्माकुमारीज् की पूर्व प्रशासिका दिवंगत राजयोगिनी दादी जानकी के करकमलों से सम्पन्न हुआ था। इसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतिया दी गयी।

बच्चों को किया व्यसनों के दुष्परिणाम के बारे में जागरूक

व्यसनमुक्ति के बारे में छात्रों को सुजाग करते हुए बीके सुशिला।

शिव आमंत्रण । मुंद्रा-कच्छ। गुजरात के मुंद्रा में अदानी फाउंडेशन एवं ब्रह्माकुमारीज के संयुक्त तत्वाधान में राजयोग दिलाएगा व्यसनों से मुक्ति थीम के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन एम वाय सी के वल्लभ विद्यालय में सम्पन्न हुआ। एम वाय सी युसूफ मेहेरल्ली सेण्टर एक एनजीओ है जो असहाय बच्चों को शिक्षा प्रदान करता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश मजदुर एवं गरीब इलाके के बच्चों में व्यसनों से बचने की जागृति फैलाना रहा जिसको स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुशीला ने संबोधित किया। इस अवसर पर अदानी फाउंडेशन के प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर मनहर जी, डॉ. नरेन्द्र डोडिया, मेडिकल सुपरवाइजर बीके विजय एवं बीके विनोद समेत कई लोग उपस्थित रहे।

चैतन्य देवियों की झांकी से दिया ईश्वरीय संदेश

शिव आमंत्रण । बलिया/बिहार । बिहार के बलिया में चैतन्य देवियों की झांकी के कार्यक्रम में राजयोगिनी बीके रानी मुज्फ्फरपुर को सम्मान करते हुए बीके कंचन साथ में बीके विभा और अन्य।

ब्रह्माकुमारीज़ में शांति और खुशी का अनुभव होता है: विधायक

ब्रह्माकुमारीज के सेवाकेन्द्र का अवलोकन करते हुए विधायक तेजपाल सिंह नागर।

शिव आमंत्रण । नोएडा। यूपी के ग्रेटर नोएडा में छपरौला के चित्रांश कृष्णा कुंज सोसायटी में नवनिर्मित शिव मंदिर का उद्घाटन किया गया। मंदिर का उद्घाटन करने आये गौतम बुद्ध नगर विधायक तेजपाल सिंह नागर ने स्थानीय सेवाकेन्द्र का अवलोकन करते हुए कहा, कि जब भी मैं ब्रह्माकुमारीज संस्थान में आता हूँ तो बड़ी शांति और खुशी का अनुभव होता है। यहाँ सबको प्रतिदिन आना चाहिये और इस पवित्र स्थान का लाभ लेना चाहिए। सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके सुधा ने ईश्वरीय सौगात भेंट की।

आसुरी शक्ति पर दैवी शक्ति की विजय

झांकी के साथ मंत्री शशि श्रेष्ठ तथा भाई-बहनें।

शिव आमंत्रण । काठमांडू। नवरात्री पर नेपाल के काठमांडू में लैंड मैनेजमेंट पावर्टी एलिविएशन मंत्री शशि श्रेष्ठ ने विजया दशमी यानि असत्य पर सत्य कि विजय, आसुरी शक्ति पर दैवी शक्ति कि विजय एवं आनाचार, अत्याचार पर न्याय और सदाचार कि विजय का पर्व बताया।

नई राहें

बीके पुष्पेन्द्र
संयुक्त संपादक, शिव आमंत्रण

आपसी संवाद से संबंधों को मिलेगी संजीवनी

एक आदर्श व्यक्तित्व को संपूर्ण बनाने में 16 कला में संवाद भी एक कला है। इस कला में जो सुधीजन जितना निपुण, होशियार और माहिर होता है उसके संबंधों की नींव उतनी ही मजबूत और स्थायी होती है। पारिवारिक रिश्तों में असंतुलन, विघटन और तनाव का एक कारण आपसी संवाद का अभाव भी है। जिन परिवारों में आपसी संवाद जितना स्पष्ट और प्रेमपूर्ण होता है उनकी नींव उतनी ही विश्वास और भरोसे की कसौटी पर खरी होती है। आज जिंदगी की भागमभाग में हमारे पास इतना भी समय नहीं बचा है कि परिवार के सदस्यों के साथ दो वक्त बैठकर वार्तालाप कर सकें। एक-दूसरे के दिल का हाल जान सकें। वह किस मानसिक पीड़ा और दर्द से गुजर रहे हैं, इसका हमें ज्ञान ही नहीं है। संवाद की कमी से जब रिश्तों में जंग लग जाती है तो धीरे-धीरे उनकी बुनियाद भी कमजोर होने लगती है। रिश्तों की ये दीमक उन्हें बर्बादी के दामन में धकेल देती है। ऐसे में जरूरत है तो परिवार के साथ समाज में बेहतर संवाद बनाए रखने की ताकि रिश्तों में गर्माहट बनी रही।

> संवाद की कमी से जब रिश्तों में जंग लग जाती है तो धीरे-धीरे उनकी बुनियाद भी कमजोर होने लगती है।

संवाद पर टिका है पिता-पुत्र का रिश्ता

पिता-पुत्र की विचारधारा में आपसी मतभेद का कारण एक पीढ़ी के फासले के साथ संवाद की कमी भी है। पिता-पुत्र में आपसी संवाद जितना प्रगाढ़ होगा तो सामंजस्य उतना ही बेहतर होगा। क्योंकि जब किसी मुदद् पर परिवार के सदस्य बैठकर विचार-मंचन करते हैं तो निश्चित रूप से उसके कई पहलु निकलकर सामने आते हैं। इसके माध्यम से हम बेहतर से बेहतर समाधान ढूंढ लेते हैं। वहीं मां, बेटी के साथ सहेली की तरह व्यवहार करती हैं तो निश्चित मानिए की वह जीवन में आने वाली प्रत्येक समस्या पर आपसे जरूर संवाद करेगी। रिश्तों में ऊर्जा भरने के लिए संवाद एक सेतु की तरह है।

माता-पिता बच्चों से हर मुद्दों पर करें बात

माता-पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों के साथ उनके भविष्य में आने वाली परिस्थितियों के साथ जीवन के हर पहलु पर संवाद करें। इससे उनके गलत मार्ग पर जाने की संभावना नगण्य हो जाती है। वह अपनी हर छोटी-बड़ी समस्या पर माता-पिता से खुलकर बात कर पाते हैं। उनमें आत्म विश्वास के साथ निर्भयता आती है। कई बार बच्चे डर और भय के माहौल में मन की बात नहीं कह पाते और धीरे-धीरे कुंठा का शिकार होकर हीनभावना से ग्रसित हो जाते हैं।

संवाद में मनोस्थिति का विशेष महत्व

कई बार हमारे किसी के प्रति शब्द अच्छे होते हैं लेकिन मन में उनके प्रति वह शुभ भावना नहीं होती है। ऐसे में सामने वाले व्यक्ति को आपके बाइब्रेशन महसूस होते हैं और हमारी बात का सामने वाला व्यक्ति गलत अर्थ निकाल लेता है। इसलिए संवाद में मनोस्थिति का विशेष महत्व है। यदि संवाद के दौरान हमारी मनोस्थिति सकारात्मक है तो उसी तरह के बाइब्रेशन सामने वाले को महसूस होते हैं। इसलिए जीवन में सभी के साथ सौहार्द्रपूर्ण रिश्तों को बनाए रखने के लिए संवाद का होना अनिवार्य और पहली शर्त है।

आत्मा का परमात्मा पिता से संवाद

व्यक्ति से व्यक्ति का संवाद जीवन में अहम है तो आत्म ज्योति का परमात्म ज्योति से संवाद आत्मा के उत्थान और कल्याण के लिए अहम है। कितने समय से खुद का खुद से और परमात्मा पिता से संवाद नहीं हुआ है? आत्मा का हाल नहीं जाना है? कब से अपने मन की गहराइयों तक नहीं पहुंचे हैं? मन को मारते ही जा रहे हैं कि उसे सुधारने की ओर भी कदम बढ़ाए हैं? वहीं प्रभु पिता भी आपके दिल का हाल सुनने के लिए रोज प्रतीक्षा में रहते हैं। राजयोग मेडिटेशन ही वह विधा, जरिया और सेतु है जो आत्मा का परमपिता परमात्मा से संवाद कराती है।

ट्राफलगर स्क्वायर में राजस्थानी घूमर और गरबा के बीच मनी दीवाली

दीवाली त्यौहार का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते हुए लंदन के मेयर सादिक खान तथा कार्यक्रम देखने के लिए भव्य संख्या में उपस्थित दर्शक।

■ **शिव आमंत्रण** ▮ **लन्दन।** इस वर्ष लंदन में फिर से ट्राफलगर स्क्वायर में सर्व धर्मों के द्वारा रोशनी का त्यौहार दीवाली मनाया गया। समारोह का आरम्भ पारम्परिक राजस्थानी घूमर नृत्य एवं भव्य गरबा नृत्य से हुआ। लंदन की दिवाली समिति, जिसमें 12 हिन्दू संस्थाओं के साथ ब्रह्माकुमारीज लंदन के मेयर सादिक खान के सहयोग से इस समारोह का आयोजन हर साल किया जाता है, जिसमे ब्रह्माकुमारीज भी मुख्य रूप से शामिल होते है। ब्रह्माकुमारीज का प्रतिनिधित्व बीके जैमिनी द्वारा किया गया। कड़कड़ाती ठण्ड के बावजूद इस वर्ष पूरा समारोह शांतिपूर्वक और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। भव्य वीडियो स्क्रीन पर ब्रह्माकुमारीज की संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके जयंती का दिवाली का सन्देश सुनाया गया जिसमें उन्होंने सबको याद दिलाया, कि हम आत्मा हैं और ईश्वर हमारा है चाहे हम कोई भी भाषा बोलें। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि सदा खुश रहना ही भाग्यशाली रहना है। ब्रह्माकुमारीज द्वारा एक विशेष 'देवियों के दर्शन' का पंडाल भी लगाया गया जिसमे शक्ति के चक्र को घुमा कर भीतर की शक्ति को जागृत करना, तिलक और मुकुट धारण कर 'अपने भीतर के देवी' का अनुभव करना यह बाते शामिल थी।

ब्रह्माकुमारी नोनी ने किया प्रे फॉर पेरू का प्रतिनिधित्व

प्रे फॉर पेरू कार्यक्रम में उपस्थित राजयोग शिक्षिका बीके नोनी।

■ **शिव आमंत्रण** ▮ **लिमा।** पेरू के लिमा में वी प्रे फॉर पेरू नामक एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पेरू के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांसिस्को सगस्ती भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। इसमें वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके नोनी ने ब्रह्माकुमारीज़ का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति सगस्ती से मुलाकात कर संस्था के सेवाकार्यों की जानकारी दी।

चीन में समर कैंप का आयोजन

शिविर में शामिल बच्चे प्रशस्ति पत्र दिखाते हुए।

■ **शिव आमंत्रण** ▮ **हॉग कॉग।** चीन में हॉग कॉग के कॉव्लून स्थित ब्रह्माकुमारीज राजयोग सेण्टर द्वारा बच्चों के लिए ''मैजिक टच'' समर कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान हांगकांग में लोकप्रिय टीवी होस्ट हैरी वोंग, बीके हर्षा, बीके एनिमा ने मूल्य सत्रों के अलावा जादू, संगीत, कलाकृति और समूह गायन जैसी अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को आध्यात्मिकता से जोड़ने का पूरा प्रयास किया। शिविर के अंतिम दिन भाग लेने वाले बच्चों के माता-पिता को बच्चों की प्रस्तुतियां और प्रदर्शन देखने के लिए विशेष आमंत्रित किया गया।

पीएचडी छात्रों के लिए राजयोग प्रशिक्षण

पीएचडी एवं एमडी स्टूडेंट्स के लिए लेक्चर देते हुए बीके प्रिया।

■ **शिव आमंत्रण** ▮ **सेंट लुइस।** मिसौरी के सेंट लुइस स्थित मोनास्टेरो बैंक्केट सेण्टर में सेंट लुइस यूनिवर्सिटी में पीएचडी एवं एमडी स्टूडेंट्स के लिए बिल्ड योर सेल्फ एस्टीम विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेंटलुइस में ब्रह्माकुमारीज़ की को-ऑर्डिनेटर बीके प्रिया ने भी संबोधित किया। इसमें कई डॉक्टरों ने भाग लिया।

राजयोग ध्यान की अमेरिका में गूंज

■ **शिव आमंत्रण** ▮ **वाशिंगटन।** अमेरिका की 3 मैगजीन ईडेन, ओल और मेडिटेशन मैगजीन में भारतीय राजयोग ध्यान और आध्यात्मिकता की गूंज सुनाई दे रही है। अमेरिका की सुप्रसिद्ध मैगजीन ईडेन की पाठक संख्या लाखों में तथा ओल एवं मेडिटेशन मैगजीन हजारों की संख्या में लोग पढ़ते हैं। इस स्टोरी में बीके जेना की जीवनी तथा ब्रह्माकुमारीज संस्थान एवं उसके आध्यात्मिक उन्नति के लिए सिखाए जाने वाले मेडिटेशन के बारे में लेख प्रकाशित किया गया है। इससे लाखों लोगों के जीवन में नये जीवन का संचार होगा।

शुभ भावना व श्रेष्ठ विचार से से हो सकती है शांति

पीस कन्सर्ट में शामिल कलाकार।

■ **शिव आमंत्रण** ▮ **हालीफैक्स (कनाडा)।** हालीफैक्स पब्लिक लाईब्रेरी में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा पीस हालीफैक्स-2021 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मेयर माईक सवागे, सिंगर जमानी, रोज कजिन, डेन्जल सिन्सलेयर, और हालीफैक्स सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके जूडी जॉन्सन के कर कमलों से दीप जलाकर किया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों ने कहा, कि इस समय लोगों को शांति की विशेष जरूरत है। इसके लिए आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग ध्यान सीखना जरूरी है। मेयर माईक सवागे ने कहा कि शांति की पुनर्स्थापना कोई डिक्शनरी में अर्थ ढूंढ़ने से नही होगी। शांति अपने हृदय से निकलती है, उसके लिए खुद की मेहनत करने की जरूरत है। ब्रह्माकुमारीज की यूरोप की संचालिका बीके जयंती ने कहा, सबके लिए शुभ भावना, श्रेष्ठ विचार रखने से हम शांति की शक्ति प्राप्त कर सकते हैं और आत्माओं को और पूरे विश्व को दे सकते है। यह ज्ञान हम आत्माओं के परमपिता शिव परमात्मा धरती पर अवतरित होकर दे रहे है। वह प्राप्त करके हर एक अपने को इस धरती माता का शांति स्तंभ बन सकता है। बीके जूडी जॉन्सन ने कहा कि राजयोग से हमें हमारा मूल घर शांतिधाम का पता है। हम अपना मन वहां स्थित करके आत्मा का परमपिता शिव बाप से जितनी चाहिए उतनी शांति प्राप्त कर सकते है। कनाडा की सभी सेवाकेंद्र इस कार्य में जुड जाएंगे तो पूरे विश्व को शांति के प्रकम्पन दे सकते है। इसके साथ ही कार्यक्रम में आये विशिष्ट कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समा बांध दिया। शांति के लिए शानदार म्यूजिक और सुमधुर धून से लोग आध्यात्मिक वातावरण में डूब गए।

आध्यात्मिक जगत की प्रतिष्ठित पत्रिका शिव आमंत्रण अब आपके हाथों में, अपने मोबाइल के QR Code Scanner से अभी इंस्टॉल करें और जाने सबसे अपडेट समाचार...

सूचना के लिए संपर्क करें

सामाजिक सेवाओं तथा आंतरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक शिव आमंत्रण समाचार पत्र एक संपूर्ण अखबार है। इसमें आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है, यही हमारी ताकत है।
वार्षिक मूल्य 110 रुपए, **तीन वर्ष** 330
आजीवन 2500 रुपए

पत्र व्यवहार का पता

संपादक ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो 9414172596, 9413384884
Email shivamantran@bkivv.org

Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2021-23, Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2021
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17- 20 of Each Month

● **प्रकाशक एवं मुद्रक:** ब्र.कु. करुणा द्वारा प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लिमिटेड जयपुर से मुद्रित ● संपादक: **ब्र.कु. कोमल** ● संयुक्त संपादक: **ब्र.कु. पुष्पेन्द्र** ● **RNI No.: RJHIN/2013/53539**